श्रावण शुक्ल पक्ष-7, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 52 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
11 अगस्त 2024 रविवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

पेरिस ओलंपिक से लौटे सागर से मुलाकात,छात्राओं से बंधवाई राखी

स्कूल और कॉलेज छात्राओं से सीएम का संवाद व खातों में भेजे 55 करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज स्कूल कॉलेज की छात्राओं से संवाद किया तथा सम्मानित भी किया। इसी के साथ मप्र सरकार ने अब स्कूल, कॉलेजों की छात्राओं के खाते में सैनिटरी पैड की राशि ट्रांसफर की। रवीन्द्र भवन में स्कूल, कॉलेज की छात्राओं के कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव 55.11 करोड रुपए की राशि छात्राओं के खाते में सिंगल क्लिक के जरिए ट्रांसफर की।

दरअसल माहवारी के दिनों में कई बेटियां आर्थिक तंगी के कारण सैनिटरी पैड नहीं खरीद पातीं। इससे उन्हें कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। ऐसा करने वाला मप्र देश में पहला राज्य बन जाएगा। सीएम ने स्कूल, कॉलज छात्राओं को मेरिट लिस्ट में आने व एनसीसी, NSS, खेल प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया।

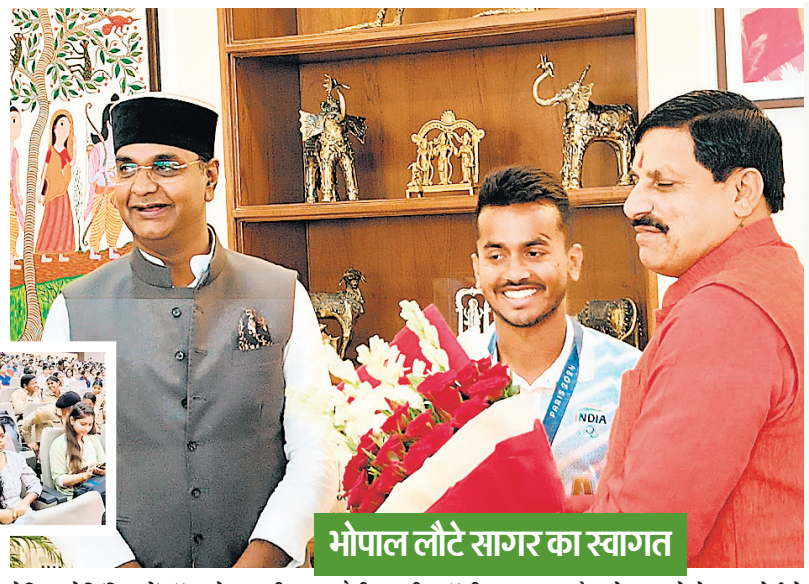

भोपाल लौटे सागर का स्वागत

पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर लौटी भारतीय हॉकी टीम के सदस्य व मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे विवेक सागर प्रसाद आज सुबह सुबह दिल्ली से भोपाल पहुंचे। भोज एयरपोर्ट पर मंत्री विश्वास सारंग और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया। इसके बाद विवेक ने मुख्यमंत्री से उनके निवास पर पहुंचकर मुलाकात की। जब विवेक भोपाल पहुंचे तो उनके स्वागत में पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों से गूंजता रहा। प्रशंसक उनके नाम के नारे लगा रहे थे। एयरपोर्ट से स्वागत रैली टीटी नगर स्टेडियम पहुंची। उनकी मां कमला देवी, पिता रोहित सागर और भाई विद्यासागर भी साथ रहे। सेमीफाइनल में हार के बारे में बात करते हुए विवेक ने कहा, 'उस पूरी रात हमें नींद नहीं आई। बार-बार वही रील चल रही थी। वह सेमीफाइनल हमारे लिए हार्ट ब्रेकिंग था। हम पूरी रात यह सोचते रहे कि काश और अच्छा कर सकते।' विवेक इटारसी से सटे चांदौन गांव के रहने वाले हैं।

कल सुबह तिरंगा यात्रा में करेंगे शिरकत

भोपाल के टीटी नगर में कार्यक्रम के बाद विवेक सागर आज आराम करेंगे और कल सोमवार सुबह सुभाष नगर से अशोका गार्डन तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ शामिल होंगे।

श्रीजेश को डेडिकेट किया मेडल

विवेक भारतीय हॉकी टीम में मिड फील्डर के रूप में खेलते हैं। ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर उन्होंने कहा, 'यह हम सभी के लिए बहुत खुशी का पल था। हमने बहुत एंजॉय किया। यह श्रीजेश भाई का लास्ट टूर्नामेंट भी था, तो मेडल हमने उन्हीं को डेडिकेट किया है।' श्रीजेश ने ऐलान कर दिया था कि पेरिस ओलिंपिक उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। हार के मलाल पर विवेक ने कहा, 'एक खिलाड़ी हमेशा चाहता है कि वह अपने देश के लिए अच्छा करे। देश आगे बड़े। 'उन्होंने कहा कि जो भी खिलाड़ी हॉकी खेलते हैं, वह निरंतर प्रयास करते रहें। इससे कभी पीछे न हटें।' विवेक सागर को मध्यप्रदेश सरकार 1 करोड़ रुपए का इनाम देने का ऐलान भी कर चुकी है।

नटवर सिंह का निधन

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत के पूर्व विदेश मंत्री और अपने जमाने के कद्दावर शख्सियत रहे के नटवर सिंह का देर रात निधन हो गया। वह कई दिनों से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे थे। इसके चलते उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने 95 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। सिंह के निधन पर पीएम मोदी और एस जयशंकर ने भी शोक व्यक्त किया है। मोदी ने नटवर सिंह के कूटनीति और विदेश नीति की प्रशंसा की है।

तीन महीने इंतजार कीजिए फिर देखिए: ठाकरे

मुंबई, एजेंसी।

शिवसेना ठाकरे गुट के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महिलाओं से लाड़की बहन योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया और कहा कि यह उनका हक का पैसा है, लेकिन उन्होंने उनसे अपने आत्मसम्मान से समझौता न करने का आग्रह किया। उद्धव ने कहा कि बस तीन महीने इंतजार करिए, मैं उनके कलेक्टरों को ऐसी जगह भेजूंगा, बस इंतजार करिए। मुंबई ठाणे मेरा है, कोंकण मेरा है। ÷मैं सभी गुजरातियों के खिलाफ नहीं हूं मगर सब कुछ गुजरात जाता है एक बड़ा प्रोजेक्ट गुजरात चला गया है,क्या हम भिखारी हैं। ठाकरे ने कहा कि मैं भाजपा मुक्त राम चाहता हूं बस तीन महीने इंतजार करिये।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से बवाल सेबी पर उठे कई सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने नये धमाके के बाद अब सियासी गूंज सुनाई देने लगी है। अब हिंडनबर्ग ने भारत में मार्केट रेग्युलेटर सेबी पर निशाना साधा है और इसकी चीफ माधबी पुरी बुच व उनके पति पर अडानी ग्रुप के साथ कनेक्शन का हवावा देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सेबी प्रमुख और उनके पति पर जो आरोप लगे हैं वो गंभीर हैं, ऐसे आरोपों की गहन जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा, अडानी मेगास्कैम की जांच करने में सेबी की अजीब अनिच्छा को लंबे समय से देखा जा रहा है। सर्वोच्च अधिकारियों की मिलीभगत का पता

'अडानी मेगा स्कैम' की पूरी जांच के लिए जेपीसी जांच से ही लग सकता है। उधर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि सेबी के चेयरपर्सन का अडानी समूह में निवेशक होना सेबी के लिए टकराव और सेबी पर कब्जा दोनों है। सेबी की अडानी पर की जा रही किसी भी जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

फंड,अडानी और टैक्सहैवन देश

दरअसल, हिंडनबर्ग ने सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच को निशाने पर लिया व कहा है कि बुच और उनके पति ने बरमुडा और मॉरिशस के फंड में हिस्सेदारी ली, जो कि टैक्सहैवन देश हैं और इन्हीं दो फंडों का यूज गौतम अडानी के बड़े भाई विनोद अडानी ने भी किया था। हालांकि, सेबी चीफ ने आज बयान जारी कर आरोपों को सिरे से खारिज किया व कहा गया है कि इन आरोपों में किसी भी तरह की कोई सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और फाइनेंस खुली किताब की तरह है।

क्लाइमेट जोन के हिसाब से बीजों की नई किस्में

भोपाल, एजेंसी।

देश के हर क्लाइमेट जोन के अनुसार अब खेती के लिये बीजों की नई किस्में विकसित की गई हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने अलग-अलग फसलों के ऐसे 109 बीज तैयार किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीजों की ये किस्में जारी कर रहे है। इससे पहले भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से कहा कि क्लीन

प्लांट प्रोग्राम के लिए 1,700 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। जो किसान बागवानी के क्षेत्र में फलों की खेती करेंगे, उसके लिए पूरा एक सिस्टम है। इसके लिए नौ केंद्र बनाए जाएंगे।इस वर्ष उर्वरक सब्सिडी के लिए एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान है, जिसे जरूरत पर और बढ़ाएंगे। अभी 50 प्रतिशत लोगों को रोजगार कृषि क्षेत्र देता है। चौहान के अनुसार प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं इनकी आय बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। इसमें उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत घटाना, कृषि उत्पाद का ठीक दाम देना, प्राकृतिक आपदा में नुकसान की क्षतिपूर्ति, कृषि का विविधीकरण, केवल परंपरागत फसल नहीं, फल, फूल, औषधि, मधुमक्खी पालन, कच्चे माल से विभिन्न चीजें बनाना और प्राकृतिक खेती सम्मिलित है।

बांग्लादेश में सेना पर हमला, कई जवान घायल

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश में अब ऐसा लग रहा है कि सरकार, आवाम, अधिकारी, जज और सेना भी सुरक्षित नहीं है। यहां कई दिनों से जारी हिंसा अब बेकाबू है। सेना के जवानों पर भी हमले की खबर है। सेना की गाड़ी पर ये हमला गोपालगंज इलाके में हुआ. ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में सेना के जवानों, पत्रकारों और स्थानीय लोगों सहित 15 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में दो को गोली लगी है. यह घटना तब हुई जब अवामी लीग के हजारों कार्यकर्ता शेख हसीना की वापसी की मांग करते हुए सड़क पर थे। रिपोर्ट के अनुसार, हजारों की संख्या में अवामी लीग के नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की देश में

वापसी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ढाका-खुलना राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया थ जब सेना की गाड़ी वहां पहुंची और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सड़क को खोलने और प्रदर्शन को खत्म करने की अपील की। लेकिन भीड़ ने उन पर ईंटें फेंकना शुरू कर दिया। सेना के वाहन में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। हमले में सेना के कई जवान घायल हुए हैं।

मेट्रो एंकर मप्र में रात 2 बजे तक चली प्रशासनिक सर्जरी...

अफसर सुबह जागे तो बदल चुके थे नजारे!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में बीती रात कई अफसर जब सोए तो उन्हें नहीं मालूम था कि जब नींद खुलेगी तो वे खुद को किसी अन्य जिले या राजधानी में पायेंगे। इसी तरह राजधानी में पदस्थ कई अफसरों ने खुद को आज सुबह फील्ड पोस्टिंग पर पाया। दरअसल रात को करीब डेढ दो बजे तक चली प्रशासनिक सर्जरी की कवायद ने हलचल मचा दी है। इसमें कई अफसरों को मंत्रियों से पटरी नहीं बैठने के चलते हटाया गया है तो कुछ को प्रशासनिक तकाजों व परफार्मेंस के आधार पर बदला गया है। कुल मिलाकर बीती रात सवा घंटे में आठ जिलों के कलेक्टर, इतने ही एसपी समेत कुल 47 आईएएस-आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। रात बारह के आसपास सामान्य प्रशासन विभाग ने आईएएस अफसरों सूची जारी की। फिर करीब दो बजे गृह विभाग ने आईपीएस की लिस्ट जारी की। इन सभी अफसरों को कल सुबह नए पदों पर जॉइन करने के निर्देश भी जारी हो गए हैं।

इस फेरबदल में भोपाल संभाग के आयुक्त को फिर बदला गया है, यहां संजीव सिंह को लाया गया है जो अब तक एप्को मेंथे। वहीं सीनियर आईपीएस अधिकारी डीसी सागर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीएचक्यू बनाया है। वे अब तक शहडोल के पुलिस महानिदेशक थे। वहीं,06 बैच के अनुराग शर्मा को शहडोल का पुलिस

माना जा रहा है कि श्रममंत्री प्रहलाद पटेल के फैसलों पर अमल में देरी व किंतु परंतु की गाज विभाग के प्रमुख सचिव सचिन सिन्हा पर गिरी। उन्हें राजस्व मंडल में पदस्थ कर दिया है। दरअसल नगर निगम और औद्योगिक क्षेत्रों में सातों दिन 24 घंटे बाजार खुले रखने के मामले में सिन्हा के कारण ही आदेश जारी नहीं

बाजार विवाद पर नपे?

हो पाया था। सीएम की सहमति के बावजूद इसमें विवाद की स्थिति पैदा की गई, जिसके बाद श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल सिन्हा से नाराज थे। इसी तरह करीब दो साल पहले तत्कालीन मंत्री मीना सिंह से बहस के बाद अनूपपुर जिला पंचायत के सीईओ पद से हटाए गए हर्षल पंचोली को अब इसी जिले का कलेक्टर बनाना भी चौंकाने वाला है। पंचोली को अनूपपुर से हटाने के बाद मंत्रालय में पदस्थ किया गया था। बताते हैं कि अनूपपुर में पोस्टिंग के दौरान मंत्री मीना सिंह को पंचोली द्वारा सरपंचों की फाइल रोकने के मामले में सख्त शिकायत थी। मगर पंचोली ने व्यक्तिगत आरोप बताते हुए मंत्री की बैठक का बहिष्कार कर दिया था।

महानिरीक्षक बनाया गया है। माना जा रहा है कि अब 15 अगस्त के बाद एक और सूची आएगी। आधी रात को जारी सूची में 2015 बैच के पांच आईएएस को पहली बार कलेक्टर बनाया गया है। इनमें जनसंपर्क डायरेक्टर रहे रोशन कुमार सिंह, मृणाल मीणा, हर्ष सिंह, हर्षल पंचोली और हिमांशु चंद्रा के नाम शामिल हैं। इस फेरबदल में केदार सिंह शहडोल के कलेक्टर बनाए गए हैं। वहीं, उज्जैन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मृणाल मीणा को बालाघाट का कलेक्टर बनाया गया है। जबकि श्रम विभाग के प्रमुख सचिव सचिन सिन्हा और चंबल संभाग के कमिश्नर संजीव झा को राजस्व मंडल ग्वालियर भेजा गया है, तथा राजस्व मंडल में रहे उमाकांत उमराव की वापसी हुई है। उन्हें श्रम का प्रमुख सचिव बनाया गया है। वहीं मऊगंज, मुरैना, रायसेन, पाढुर्ना, मंदसौर, श्योपुर,अनूपपुर मे नये पुलिस अधीक्षक पदस्थ किये गये हैं।

आशीर्वाद यात्रा का स्वागत

भोपाल। चित्रगुप्त पीठ जन आशीर्वाद यात्रा छतरपुर से प्रारंभ होकर कल सुबह भोपाल पहुंची तो इसका भव्य स्वागत हुआ। इस मौके पर कायस्थ बन्धुओं ने भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति का पूजन,आरती की। वृंदावन पीठ के स्वामी सच्चिदानंद पशुपति का मंत्री विश्वास सारंग आलोक संजर पूर्व सांसद, रवि सक्सेना, कांग्रेस प्रवक्ता, सुनील श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष अभाकाम एवं अन्य वरिष्ठ कायस्थजनों तथा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने स्वागत किया एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राज्यपाल ने डॉ. मनदीप शर्मा को किया कुलपति नियुक्त

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर का कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा को नियुक्त किया है। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश के पूर्व डीन डॉ. शर्मा को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष की समयावधि अथवा 70 वर्ष की आयु, जो भी पूर्वतर होगी के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है।

ग्रंथपाल के पद पर जारी किए नियुक्ति के आदेश

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने समूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा 2023 के परिणाम के आधार पर चयन सूची में पात्र पाए गए ग्रंथपाल के नियुक्ति आदेश जारी किए गए है। नियुक्ति आदेश स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय वेबसाइट पर अपलोड किए गए है। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों से 12 अगस्त 2024 तक संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थिति देने के लिये कहा गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

राज्यमंत्री गौर ने स्कूल की निःशुल्क परिवहन सेवा का किया शुभारंभ

कहा-100 करोड़ रूपए की लागत उपलब्ध होंगी स्कूल में विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सुविधाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने सीएम राईज महात्मा गांधी स्कूल भेल में निःशुल्क परिवहन सेवा का शुभारंभ किया।इस अवसर पर राज्यमंत्री गौर ने कहा कि सीएम राईज महात्मा गांधी स्कूल भेल में 100 करोड़ रूपए की लागत से विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्कूल विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक के साथ-साथ सांसकृतिक, कला और खेल कूद गतिविधियों का भी संचालन करेगा। इसके लिए स्कूल में स्मार्ट क्लासेस के साथ-साथ स्वीमिंग पूल जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होगी। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि निःशुल्क सेवा के पहले चरण में 55 सीटर 5 बसों को शुरू किया जा रहा है। अगले चरण में 4 और बसें शामिल की जायेगी। इन बसों के माध्यम से विद्यालय से 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर निवास करने वाले विद्यार्थियों को घर से स्कूल लाने ले जाने की सुविधा दी जायेगी। राज्यमंत्री गौर ने स्कूल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हार्ड वर्क से सफलता मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह अपनी योग्यता का उपयोग जिम्मेदारियों को पूरा करने में करे। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध करा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में अब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से भी ज्यादा सुविधा संपन्न स्कूल बन रहे है। उन्होंने कहा कि बच्चे आने वाले कल का भविष्य है।

झूलेलाल चालीहा में दिव्य सत्संग महोत्सव कल

हिरदाराम नगर। राजावीर मंदिर समिति इसरानी मार्केट, बाबा गुरमुखदास सेवा समिति, भोपाल झूलेलाल चालीहा साहिब के 28 वें दिन 12 अगस्त को दिव्य सत्संग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संत लालदासजी (चकरभाटा) रात आठ बजे भगवान झूलेलाल कथा एवं सत्संग करेंगे। आरती एवं पल्लव होगा। राजवीर मंदिर समिति के लखू अंदानी ने बताया कि दिव्य सत्संग महोत्सव लालघाटी- संतनगर मार्ग स्थित स्वागत गार्डन हलालपुर बस स्टैंड पर होगा। समिति के रवि कंजानी. वासू कल्याणी. रमेश आहुजा. मनीष होलारामानी ने सिंधी समाज से सत्संग में शामिल होने की अपील सिंधी समाज से की है।

बडे तालाब में जलकुंभी....

भोपाल। जोरदार बारिश और भदभदा बांध के गेट खुलने के बाद भी बडे तालाब में जलकुंभी नजर आ रही हैं। यह लहरों के जोर से बहकर एक किनारे जमा हो रही हैं।

भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों का बुरा हाल

ट्रेनों में भीड़,जनरल बोगियां पहले से कम,अब और कमी हो गई

कई ट्रेनों में नो रूम, वेटिंग का भी टिकट नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रक्षाबंधन पर ट्रेनों में आफत का सफर शुरू हो गया है। सबसे सस्ता और टिकाउ लोकपरिवहन होने के कारण लोग ट्रेनों में ही आना–जाना पसंद कर रहे हैं लेकिन रेलवे इन यात्रियों को टिकट नहीं दे पा रहा है। कई ट्रेनों का तो हाल यह है कि नो रूम हो गए हैं। जनरल डिब्बे पहले से कम थे अब और कम हो गए हैं। आरक्षित ही नहीं, बल्कि जनरल टिकट को लेकर मारामारी चल रही है।

रेलवे के पास कोई समाधान नहीं

यात्रियों का कहना है कि रेलवे जिस तरह से चुप रहकर मदद नहीं कर रहा है उससे लग रहा है कि रेलवे के पास कोई विकल्प ही नहीं है। गिनी–चुनी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। वे ट्रेनें भी घंटों देरी से चल रही है। यात्रियों की मांग है कि रेलवे को ऐसे समय में कोयला आधारित मालगाड़ियों को कम कर यात्री ट्रेनों के संचालन पर जोर देना चाहिए। अधिकारियों का दावा है कि पूर्व की तुलना में अधिक ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। नई–नई ट्रेनें भी भोपाल से ही होकर गुजर रही हैं, जिनमें यात्रियों को फायदा मिल रहा है। यात्रियों को रेलवे की ओर से सलाह दी है कि रूटीन की ट्रेनों पर निर्भर रहने की बजाए साप्ताह में कुछ दिनों तक चलने वाली ट्रेनों में भी टिकट तलाशें कहीं न कहीं इंतजाम हो जाएगा।

भोपाल से इन रूटों पर टिकट नहीं: दिल्ली को छोड़ दें तो भोपाल व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मुंबई, प्रयागराज, बिहार के शहर, चेन्नई, बेंगलुरु जैसे शहरों के लिए टिकट की भारी मारामारी चल रही है। इन शहरों में जाने के लिए पहले ही कम ट्रेनें हैं। त्यौहार के चलते इन शहरों में जाने वालों की संख्या बढ़ गई है।

नई शिक्षा नीति के पालन में स्वाधीनता दिवस पर प्रतियोगिताएं

बैगलेस डे पर स्टूडेंट्स की कई एक्टिविटी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत निर्देशित बैगलेस डे (एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग) को ध्यान में रखते हुए स्वाधीनता दिवस पर विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने रचनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं में कक्षा पहली और दूसरी के छात्रों ने देशभक्ति कविता पर आधारित सुलेख कार्य किया। कक्षा तीसरी चौथी के छात्रों द्वारा 'मेरा देश मेरा स्वाभिमान' विषय पर कविता लेखन एवं रंग भरो प्रतियोगिता में सहभागिता दी गई।

कक्षा पांचवीं एवं छठवीं के छात्रों द्वारा 'भारत के राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न' पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता तथा कक्षा सातवीं एवं आठवीं के छात्रों के लिए नारा लेखन-' एक भारत श्रेष्ठ भारत' एवं 'मेरे सपनों का भारत' पर अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता आयोजित

की गई। साथ ही पोस्टर मेकिंग नेशनल स्पोर्ट्स डे एंड इंडिया इन- 2047 विषय पर छात्रों द्वारा आकर्षक पोस्टर तैयार किए गए और, फोटो फ्रेम भी बनाए गए।

संस्थान सचिव घनश्याम बूलचंदानी एवं अकादमी डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने कहा कि रचनात्मकता जीवन में आनंद का भाव उत्पन्न करती है ।अतः शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों को स्वस्थ वातावरण देकर इस तरह के अवसर सतत रूप दें।

विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर ने कहा कि छात्रों में अनंत सक्षमताएं विद्यमान है उन्हें समय-समय पर इस तरह का मंच देना अनिवार्य है ताकि छात्र की क्रियात्मक एवं रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहन मिल सके। पीटीएम के अवसर पर छात्रों के अभिभावक द्वारा भी इस प्रदर्शनी को देखा गया।

राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस : संत कॉलेज में प्रतियोगिताएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को वाणिज्य के समावेशी एवं लाभप्रद विकास के बारे में बताना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि वाणिज्य दिवस हमें याद दिलाता है कि वाणिज्य हमारे जीवन और अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज इस बात की सराहना करना चाहिए कि वाणिज्य और व्यापार विकास को ब?ावा देने के साथ ही वैश्विक संपर्क को सुदृ? करता है। इसके साथ ही तकनीक के बढते परिदृश्य में ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग आदि महत्वपूर्ण है, जो विचारों के माध्यम से हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में समूह नृत्य, एकल गायन एवं स्टैंड अप कॉमेडी का आयोजन किया गया। नृत्य में दिव्या लालवानी एवं ग्रुप ने प्रथम, माहिरा एवं ग्रुप ने द्वितीय एवं ओशिन फैबिलियस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन में उरूज जेहनब ने प्रथम, वैष्नवी रैकवार ने द्वितीय और स्टैंड अप कॉमेडी में चित्रा भोजवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आकांक्षा अरोरा ने कहा कि वाणिज्य दिवस केवल आर्थिक प्रगति का उत्सव नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार समावेशी और सतत्विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

मेट्रो एंकर

साधु वासवानी स्कूल में शपथ ग्रहण समारोह

'विद्यार्थियों के रोल मॉडल हैं छात्र परिषद के सदस्य'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत छात्राओं बैण्ड की धुन एवं सुर से सुर मिलाकर गाए हम मंगल गान गीत और परंपरागत तरीके से हुई। छात्र परिषद के पदाधिकारियों को कर्त्तव्यों की शपथ दिलाई गई।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि छात्र परिषद के पदाधिकारी विद्यालय के साथ अपनी भागीदारी जोड़े और सभी को साथ लेकर चलें और सभी विद्यार्थी भाऊजी के वचनों को सुनकर उसे अपने जीवन में अवश्य उतारें और आज शपथ समारोह के अवसर पर एक नया संकल्प लें कि हम आकाश को छुएंगें और अपने लक्ष्य को अवश्य हासिल करेंगें।

कार्यक्रम में कर्नल नारायण पारवानी ने कहा कि शपथ पत्र में लिखी हुई समस्त बातों का हृदय से पालन करना आपकी जिम्मेदारी है, छात्र परिषद के पदाधिकारी विद्यालय के साथ मिल-जुलकर कार्य करेंगें, और अपनी दी हुई जिम्मेदारी का निर्वहन समझदारी और पूरे मनोयोग से करेंगे।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सिद्धभाऊजी ने कहा कि छात्र परिषद के विद्यार्थी ही पूरे विद्यार्थियों के रोल मॉडल है आपके द्वारा किए गए कार्यों से ही बाकी विद्यार्थी सीख पाएंगें इसके लिए आपका व्यवहार, वाणी व आपकी पढ़ाई में रुचि आपका दायित्व है और यही दायित्व आपको अपने सहपाठियों में भी पैदा करना है। भाऊजी ने कहा कि लड़कियों के लिए शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है अपना जीवन संवारने का और आगे बढ़ने का।

इस अवसर पर कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को सिद्ध भाउजी व अन्य अतिथियों ने सर्टीफिकेट एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, विद्यालय के छात्र मानव ने कविता 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' प्रस्तुत की। सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। लक्की गोवानी हैड ब्वॉय व निधि अहिरवार हैड गर्ल ने कहा कि हमे जिस पद के लिए मुझे चुना गया है उस पद का सम्मान करेंगे और अपने दायित्व का पालन करेंगे।

कार्यक्रम में प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, पीआरओ दीपा आहूजा, रुपाली मेशराम, सुनीता झूरानी, कांता खैराजानी, रचना राजपूत, भूमि हेमनानी, दीप्ती वाधवानी, उषा सिंह, श्री केएस मूर्ति, नरेश फूलचंदानी, राम पाराशर आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भावना कलवानी एवं आभार उप प्राचार्या स्वाति कलवानी व्यक्त किया गया।

तुलसी जयंती पर सबनानी को तुलसी का पौधा दिया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति द्वारा गोस्वामी तुलसी दास जयंती पर विधायक भगवान दास सबनानी के कार्यालय में पहुंचकर तुलसी का पौधा भेंट किया।

इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि तुलसीदासजी हिन्दी साहित्य के महान रामभक्त कवि थे। उन्होंने रामचरितमानस और हनुमान चालीसा जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रंथों की रचना की है। इन्हें आदिकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी माना जाता है। सबनानी ने बजरंग सेना समिति के कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर बजरंग सेना समिति के रूप कुमार सोनी, प्रभु मूलचंदानी, कमलेश देवानी, राजेश केवलानी व मनीष दरयानी मौजूद थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त होने के बाद नहीं मिले सवा लाख रुपए

लगा रहीं ऑफिस के चक्कर

मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, प्रमुख सचिव को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल सहित प्रदेशभर के 36 मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल शहर में बीते एक साल में लगभग 900 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रिटायर हो गई, लेकिन उन्हें सेवानिवृत्त होने के बाद मिलने वाली सवा लाख रूपये की देय राशि का भुगतान नहीं किये जाने का है। मामले में आयोग ने प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, मंत्रालय, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को देय राशि के सम्बन्ध में हुए विलम्ड़ब तथा भुगतान किये जाने की व्यवस्था के सम्ड़बन्ड़ध में प्रतिवेदन एक माह में मांगा है। आयोग की जानकारी में आया है कि, इस संबंध में सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पिछले एक साल से जिला परियोजना के ऑफिस के चक्कर काट रही है, लेकिन अब तक उन्हें देय राशि नहीं मिल पाई है।

सड़क पर मवेशी, 1 साल में सात लोगों ने जान गवाई

भोपाल की अधिकांश सड़को पर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। इस कारण बीते एक वर्ष में इन मवेशियों से टकराकर हुये हादसों में सात लोगों ने अपनी जान गवा दी है। खासतौर पर शहर के बाहरी इलाकों अवधपुरी, रायसेन रोड़, मिसरोद, जाटखेड़ी, कोलार मुख्य सड़क एवं बैरागड़ क्षेत्रों की सड़क पर कई मवेशी/पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने कलेक्ड़टर, पुलिस कमिश्नर एवं आयुक्ड़त, नगर निगम को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्र में सड़कों पर पाए जा रहे मवेशियों के उचित प्रबंधन, इनके कारण आवागमन में जन सामान्य को हो रही असुविधा, उनके जीवन सकंटापन्ड़न होने की संभावना को समाप्त कर सुरक्षित यातायात/आवागमन व्यवस्था और जन सुरक्षा के लिये की गई कार्यवाही के सम्बन्ध में एक माह में प्रतिवेदन मांगा है।

इन मामलों में भी लिया संज्ञान

आयोग ने शाहपुरा थानाक्षेत्र स्थित देवलोक फार्म के पास दाना पानी रोड़ पर एक निर्माणाधीन मल्टी की तीसरी मंजिल की छत से गिरकर मजदूर की मृत्यु होने, अशोका गार्डन इलाके में दुष्कर्म के आरोपी एक युवक द्वारा पीड़िता के घर में घुसकर उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ करने और मां से मारपीट करने, शाहपुरा क्षेत्र में अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे एक व्यापारी के साथ कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा मारपीट करने और गाली-गलौच करन, ईदगाह हिल्स, नूर महल, देवकी नगर एवं चौकसे नगर आदि क्षेत्रों के घरों में नलों से दूषित पानी आने, सुल्ड़तानियां कन्या स्कूल के जर्जर हालत में होने के कारण वहां पड़ने वाले विद्यार्थियों को खतरे के बीच पड़ाई करने, हमीदिया रोड़ पर बीच सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण आये दिन राहगीरों एवं दो पहिया वाहन चालकों को हादसों का शिकार सहित सिंधी कॉलोनी स्थित चौराहे की टर्निंग पर पाइप लाइन के चैंबर खुले पड़े होने के मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

एमएनसी में लड़कियों को भर्ती में मिल रही तरजीह

तकनीकी क्षेत्र में कार्यस्थल पर लिंगानुपात ठीक कर रहीं कंपनियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल. मल्टीनेशनल कंपनियां अब अपने दफ्तरों में लिंगानुपात ठीक करने के लिए लड़कियों को भर्ती में तरजीह दे रही हैं। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में 66 विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट में 27 छात्राओं को कंपनियों ने मौका दिया है। कंपनियों का दावा है कि दफ्तरों में लिंगानुपात दुरुस्त करने के लिए यह पहल की जा रही है। उनका कहना है कि वर्ष 2000 में कार्यस्थल पर महिलाओं का प्रतिशत 9 था। जो 2023 में बढ़कर 35 हो गया है।

मैनिट में 15 से दिन जारी प्लेसमेंट

मैनिट में 15 दिन से जारी प्लेसमेंट में गूगल, जोमैटो, माइक्रोसॉफ्ट, डी-शॉ समेत कई कंपनियां आयी हैं। ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल की प्रमुख प्रो. अरुणा सक्सेना ने बताया, कंपनियों का इस बार फोकस कुशल छात्राओं पर है। अभी तक 66 से ज्यादा छात्रों को नौकरी का ऑफर दिया गया है। इनमें से 17 ऐसे थे जिन्हें पिछली गर्मियों में अपनी 2 महीने की इंटर्नशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कंपनियों से पीपीओ मिला था। कुछ छात्रों को जोमैटो ने 56 लाख, गूगल ने 55 लाख और माइक्रोसॉफ्ट ने 52 लाख का पैकेज दिया है।

नीट यूजी काउंसिलिंग के रजिस्ट्रेशन सोमवार से शुरू, शेड्यूल जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नीट यूजी काउंसलिंग सोमवार से शुरू होगी। निजी व सरकारी मेडिकल कालेजों में दाखिले के लिए काउंसलिंग का शेड्यूल चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। अभ्यार्थी 12 अगस्त से 20 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। सीटों का ब्योरा 14 को और आपत्तियां 15 अगस्त तक और इनका निराकरण 16 अगस्त तक किया जाएगा। वहीं मेरिट लिस्ट का प्रकाशन 21 अगस्त को होगा। पहले काउंसलिंग की प्रक्रिया एक अगस्त से शुरू की जानी थी। जो नीट यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी के चलते आगे बढ़ा दी गई। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार च्वॉइस फिलिंग और सीट लॉकिंग 22 से 26 अगस्त तक चलेगी।

राजधानी समेत पांच आयुष कॉलेजों की सीटों में हुई कटौती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सरकार पहले से संचालित कॉलेजों की मान्यता भी नहीं बचा पा रही है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने बुरहानपुर आयुर्वेद कॉलेज को छोड़ सभी छह आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता जारी कर दी है, पर भोपाल के अतिरिक्त अन्य पांच कॉलेजों में स्वीकृत सीटों में कटौती की गई है।

जानकारी के मुताबिक ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन आयुर्वेद कॉलेज में स्नातक (बीएएमएस) की 15 से लेकर 26 सीटें तक कम कर दी हैं। संसाधनों की कमी के कारण सीटें कम की गई हैं। बुरहानपुर कॉलेज को मान्यता नहीं मिली है। इन सीटों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग सितंबर में प्रारंभ होने की आशा है। संसाधनों में सर्वाधिक कमी फैकल्टी और ओपीडी और भर्ती मरीजों की कम संख्या है। इनमें प्राध्यापक स्तर के पद सबसे अधिक रिक्त हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि आयुष कॉलेजों में सेवानिवृति आयु 62 वर्ष है। एलोपैथी मेडिकल कॉलेजों में यह सीमा 65 वर्ष रखी गई है, जिससे प्राध्यापक के पद रिक्त न रहें। सीधी भर्ती से भी पदों को भरने की व्यवस्था नहीं है, जबकि एलोपैथी मेडिकल कॉलेजों में प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश में पहले से ही आयुर्वेद औषधालयों में डॉक्टरों के 600 से अधिक पद रिक्त हैं। ऊपर से बीएएमएस की सीटें बढ़ना तो दूर उनमें कटौती भी हो गई है।

बीई-बीटेक की सीटों का आवंटन अब 13 अगस्त को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) ने बीई-बीटेक के साथ एमबीए में प्रवेश के नए शेड्यूल जारी कर दिए हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं होने के बाद डीटीई ने संशोधित किया है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए पहले राउंड में 83 हजार 65 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 13 जून से शुरू थी, जिसमें सीटों के आवंटन 5 अगस्त को होने थे, जिसे अब 13 अगस्त को जारी किया जाएगा। इसी प्रकार दूसरे राउंड के रजिस्ट्रेशन भी 20 अगस्त से शुरू होंगे। यह राउंड 6 सितंबर को समाप्त होगा। इसके बाद ब्रांच परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होगी। विद्यार्थियों को 16 अगस्त शाम 5 बजे तक फीस जमा करनी होगी। छात्रों को फीस जमा करने के लिए मात्र चार दिन का समय मिलेगा। अब तक 35 हजार 570 छात्रों ने दस्तावेजों का सत्यापन कराया है। कॉमन मेरिट लिस्ट 30 जुलाई को जारी कर दी गई है। अपग्रेडेशन का आवंटन 20 अगस्त को होगा और 23 अगस्त तक इसके प्रवेश होंगे।

दवाई के धोखे में पिया फिनाइल, बीमा कंपनी को देने होंगे 76,800 रु.

3 साल पुराने मामले में उपभोक्ता आयोग ने सुनाया उपभोक्ता के पक्ष में फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ता द्वारा धोखे से फिनाइल पीने के तीन साल पुराने एक मामले जिला उपभोक्ता आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी को आदेश दिए हैं कि वह इलाज में खर्च हुई राशि के साथ-साथ मानसिक क्षतिपूर्ति राशि भी अदा करे। मामले में तीन साल बाद मामले में सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए बीमा कंपनी पर 76,800 रुपये का हर्जाना लगाया। यह फैसला आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल व सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडेय की बेंच ने सुनाया है।

2021 में लगाई थी याचिका: दरअसल, भोपाल निवासी उपभोक्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग में 2021 में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कं लि के खिलाफ याचिका लगाई थी। इसमें शिकायत की थी कि उन्होंने एक सितंबर 2015 से 31 अगस्त 2016 तक के लिए बीमा लिया था। 30 अप्रैल 2016 को शाम छह से सात बजे के बीच बिजली कट जाने के कारण अंधेरे में दवाई के बदले फिनाइल पी लिया था। उसके बाद उन्हें तत्काल नेशनल अस्पताल में भर्ती किया गया और उसके इलाज में 68,800 रुपये का खर्च आया, लेकिन बीमा कंपनी ने यह कहकर बीमा राशि निरस्त कर दिया कि उपभोक्ता ने जानबूझकर फिनाइल पी थी। मामले में उपभोक्ता आयोग ने अब उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है।

श्रद्धांजलि भाजपा नेता प्रभात झा के देवलोकगमन पर ग्वालियर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संघ के प्रचार प्रमुख अरुण जैन, सीएम मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, हितानंद विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आदि ने श्रध्दाजलि दी।

मातृ-मृत्यु दर नियंत्रित करने के प्रयास जागरूकता व सक्रिय सहभागिता से सफल होंगे: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने श्यामशाह मेडिकल कालेज रीवा से प्रदेश में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच अभियान का शुभारंभ किया। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर माह की 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच के शिविर सभी अस्पतालों में लगाए जाएंगे। इनमें गर्भवती महिलाओं को जाँच, उपचार, दवा और आने-जाने की सुविधा निःशुल्क दी जाएगी। कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल मण्डला और रतलाम जिले के हितग्राहियों से उप-मुख्यमंत्री ने संवाद किया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त अस्पताल और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन शामिल हुए। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मातृ-मृत्यु दर और शिशु-मृत्यु दर को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर गर्भवती महिला को निःशुल्क जाँच, उपचार और दवा की सुविधा दी जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत यदि शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं है तो गर्भवती महिला की निजी सोनोग्राफी केन्द्र में सोनोग्राफी कराई जाएगी। इसकी राशि का भुगतान सरकार करेगी। सरकारी अस्पताल से जारी वाउचर से महिला सात दिन में कभी भी अपनी जांच सोनोग्राफी सेंटर में करा सकती है। सही समय में रिस्क चिन्हांकन से उचित निदान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जायेगा। मातृ-मृत्यु दर को नियंत्रित करने में जागरूकता और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

मेट्रो एंकर मुख्यमंत्री ने एम्स में आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन में कहा-

मध्यप्रदेश को आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में नम्बर वन बनाने के हों प्रयास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज के दौर में चिकित्सा क्षेत्र का अत्यंत महत्व है। इसलिये चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपचार की व्यवस्थाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन बचाने का कार्य चिकित्सक ही करते हैं, यह बड़ा पुण्य का कार्य है। मध्यप्रदेश को आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में नम्बर वन बनाने के प्रयास किये जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम, एम्स भोपाल में तीन दिवसीय 20वां अखिल भारतीय अकादमिक आपताकलीन चिकित्सा सम्मेलन दीक्षान्त एवं पुरस्कार समारोह का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, अध्यक्ष एम्स डॉ. सुनील मलिक, अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद थे। एम्स के कार्यपालक

निदेशक अजय सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। अतिथियों ने स्मारिका एवं स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी इमरजेंसी दस्तावेज का विमोचन किया। इसमें बड़ी संख्या में देश-विदेश के प्रतिभागी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। भारत में कोरोना का निःशुल्क टीका लगाकर एक-एक व्यक्ति की जान बचाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय सम्मेलन में विचारों के मंथन से इमरजेंसी मेडिसिन की दिशा में बेहतर कार्य होगा।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन एम्स, भोपाल में हो रहा है। एम्स से मेरी विशेष स्मृतियाँ जु?ी हुई है। एम्स को स्थापित करने में बाबूजी स्व. बाबूलाल गौर का विजन महत्वपूर्ण रहा है। एम्स भोपाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर बन गया है। इस सम्मेलन से नवीनतम ज्ञान और कौशल विकास का अवसर मिलेगा। मध्यप्रदेश स्वस्थ राज्य बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयास से प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं के बजट में 34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 11 अगस्त, 2024 epaper.dopaharmetro.com

कैसे शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के चलते 2 महीने की जगह 2 साल खिंच गई थी भारत में इमरजेंसी!

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कार सुबह-सुबह लुटियंस दिल्ली की सड़कों पर फर्राटा भरते हुए आगे बढ़ रही थी। वो दिन खास था। लिहाजा सिविक एडमिनिस्ट्रेशन ने सड़कों से भिखारियों और इधर-उधर टहलने वाली गायों को हटा दिया था। इमरजेंसी का एक असर ये भी था कि राजधानी की सड़कें अब साफ और करीने से सजी नजर आ रही थीं। इंदिरा लाल किले की ओर जा रही थीं। ये 15 अगस्त 1975 का दिन था। उन्हें लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करना था। उन्हें लोगों की खोई आजादी वापस करनी थी। इंदिरा इमरजेंसी पर कुछ बड़ा ऐलान करनी वाली थीं। तभी उनके प्रोटोकॉल चीफ ने एक खबर दी। ये ऐसी खबर थी जिसे सुनकर भारत में इमरजेंसी की घोषणा कर चुकीं प्रधानमंत्री इंदिरा सन्न रह गईं। इसकी कल्पना भी नहीं थी। ये अविश्वसनीय था। प्रोटोकॉल चीफ ने उन्हें बताया कि उनके मित्र और बांग्लादेश के राष्ट्रपति का परिवार समेत खात्मा कर दिया गया है। इंदिरा बुरी तरह बिखर गईं। उनका मानना था ये CIA का काम है।बांग्लादेश में 5 अगस्त को हुई तख्तापलट की घटना ने इतिहास के पन्नों में दर्ज कई घटनाओं को फिर से जीवंत कर दिया है। नए राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश का उदय, भारत में आपातकाल की घोषणा, फिर शेख मुजीबुर्रहमान के परिवार का कत्लेआम; इन घटनाओं का कोई न कोई शिरा आपस में एक दूसरे से मिलता था। आज जब बांग्लादेश हिंसा के दौर से गुजर रहा है तो ये घटनाएं हमें 1970 के दशक में दक्षिण एशिया में राजनीतिक उथलपुथल की याद दिलाती हैं। स्पैनिश लेखक जेवियर मोरो ने सोनिया गांधी की शख्सियत पर लिखी किताब 'द रेड सारी' में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, भारत में आपात काल, इंदिरा के व्यक्तित्व पर बड़ी विस्तार से कलम चलाई है। इंदिरा गांधी ने असाधारण परिस्थितियों में 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा तो कर दी थी लेकिन वे इसे ज्यादा दिन तक खींचना नहीं चाहती थीं।

दो महीने के लिए ही इमरजेंसी चाहती थीं इंदिरा

जेवियर मोरो इस किताब में लिखते हैं, इंदिरा ने पुपुल को बताया कि वे केवल दो माह के लिए ही आपातकाल लगाना चाहती हैं और वे इस दौरान बीस सूत्रीय कार्यक्रम को लागू करना चाहती हैं ताकि देश को विकास के पथ पर चलाया जा सके। बता दें कि पुपुल जयकर इंदिरा की खास सहेली थीं और उनकी पहुंच इंदिरा गांधी के इाइनिंग टेबल तक थी। तो क्या 15 अगस्त 1975 को यानी कि इमरजेंसी लागू करने के लगभग 50 दिन बाद वो समय आ चुका था जब इंदिरा इमरजेंसी खत्म करना चाहती थीं? जेवियर मोरो द रेड सारी में लिखते हैं, इंदिरा 15 अगस्त 1975 को उसी स्थान और समय पर आपातकाल हटाने की घोषणा करना चाहती थीं जहां उनके पिता ने 28 साल पहले अपना प्रसिद्ध भाषण दिया था। आगे उन्होंने लिखा है, इंदिरा लाल किले की ओर जा रही थीं, तभी उनके प्रोटोकॉल चीफ ने ऐसी खबर दी जिसने उन्हें भीतर तक व्यथित कर दिया, उनके मित्र बांग्लादेश के राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान को एक सैन्य आक्रमण में परास्त कर दिया गया, इससे भी बदतर बात यह थी कि शेख उनकी पत्नी, तीन बेटों, बहुओं और दो भतीजों को जान से मार दिया गया, ताकि उनके वंश का कोई नामलेवा न रहे।

इंदिरा का वो किस्सा...

15 अगस्त 1975 को इंदिरा गांधी लाल किले की प्राचीर से इमरजेंसी पर कुछ बड़ा ऐलान करनी वाली थीं. तभी उनके प्रोटोकॉल चीफ ने इंदिरा को कुछ ऐसा बताया कि वे सहसा यकीन नहीं कर सकीं. ये खबर थी बांग्लादेश में शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या की. इस खबर को सुन इंदिरा बेहद डर गईं. इंदिरा पर इस घटना का ऐसा असर पड़ा कि वो संजय गांधी को अपने पास वाले कमरे में सोने कहती थीं।

भावनाओं के ज्वार से ओत-प्रोत इंदिरा का भाषण

ये एक ऐसी खबर थी जिसने इंदिरा को हिलाकर रख दिया। इंदिरा के उस दिन का भाषण का जिक्र करते हुए जेवियर मोरो लिखते हैं, उस दिन उन्होंने लाल किले से जो भाषण दिया वह भावनाओं के ज्वार से ओत-प्रोत था, मानो वे अपने आप को भावनाओं को रौ में बहने से रोक रही हों, जाने उनका जोर कहां चला गया था। पुपुल उस भाषण को सुन रही थीं। जिसमें इंदिरा ने आजादी, कड़े कदम उठाने की आवश्यकता, बलिदान, सेवा व साहस, विश्वास व प्रजातंत्र की बात की। परंतु उन्होंने आपातकाल के बारे में एक शब्द तक नहीं कहा। जेवियर के मुताबिक इस घटना ने इंदिरा को काफी असुरक्षा में डाल दिया था। उन्हें पूरा यकीन था कि उन्हें ही अगला निशाना बनाया जाएगा। रॉ चीफ ने भी यही बताया था कि उन्हें ऐसे कई साजिशों का पता चला है जो इंदिरा को मिटाने के लिए बनाए गए थे। पुपुल के अनुसार वे बुरी तरह आशंकित थीं और उन्हें सब पर संदेह हो रहा था। उन्हें ऐसा लगता मानो हर साये के पीछे कोई दुश्मन छिपा हो।

मेरा पोता भी तो शेख रहमान के बेटे की आयु का है, कल को...

स्पैनिश लेखक जेवियर लिखते हैं कि इंदिरा ने पुपुल जयकर से कहा, मैं किसका विश्वास कर सकती हूं? मेरा पोता भी तो शेख रहमान के बेटे की आयु का है, कल को उसका नंबर भी लगाया जा सकता है, वे हरसंभव साधन से, मुझे और मेरे परिवार को तबाह कर देना चाहते हैं। इंदिरा को पहली बार एहसास हो रहा था कि न केवल उनकी बल्कि उनके पूरे परिवार की जान खतरे में थी।÷ अगर तत्कालीन राजनीतिक हालात पर नजर डालें तो इंदिरा ऐसे दुष्चक्र में उलझ गई थी कि इससे बाहर निकलने का उन्हें कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। मोरो के अनुसार वे भीड़ में सुरक्षित महसूस करती थीं पर अब घर में ही उन्हें डर लगने लगा था। वे दरअसल जान के खतरे से भयभीत थीं। सत्ता छिनने के भय से भयभीत थीं। वे अनेक मोर्चों पर संघर्ष करते हुए मनपसंद नतीजे न पाने से कुंठित थीं। जेवियर मोरो के मुताबिक इन घटनाओं ने इमरजेंसी को तत्काल न खत्म करने के उनके फैसले को प्रभावित किया। वे लिखते हैं, ÷उन्हें लगा कि इस हालात में आपातकाल को न हटाना ही ठीक रहेगा। इसके वपरीत यह आवश्यक था कि बिना किसी अभियोग या कानूनी कार्रवाई के कुछ और लोगों को बंदी बनाया जाए ताकि वे अपनी तथा परिवार की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकें।

मुख्य दरवाजे के पास वाले कमरे में न सोएं

इस दौरान इंदिरा संजय गांधी की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित रहती थीं। इंदिरा इतनी डरी हुई थीं कि वे संजय को मेन गेट के पास बने कमरे में सोने से मना करती थीं। द रेड सारी में इसका जिक्र इस तरह है, मैं नहीं चाहती कि आप लोग मुख्य दरवाजे के निकट के कमरे में सोएं। यह सुरक्षित नहीं है। बेहतर होगा कि आप लोग गलियारे के अंतिम कमरे में, मेरे कमरे के सामने वाले कमरे में सोएं। जब एक दोस्त ने ऐसा करने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि वे अच्छा महसूस नहीं कर रही थीं और अगर संजय साथ वाले कमरे में होंगे तो वे उन्हें रात-बेरात मदद के लिए बुला सकती थीं। कहा जा सकता है कि आयरन लेडी की छवि के बावजूद इंदिरा गांधी बांग्लादेश में शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या की घटना से काफी प्रभावित हुई थीं। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित इंदिरा ने इमरजेंसी की दिक्कतों को समझते हुए भी इसे हटाने पर तुरंत फैसला नहीं लिया। हालांकि भारत की अंदरुनी राजनीति में उनके इस फैसले की वजह थी।

टीचर की नसबंदी की कहानी सुन द्रवित हुईं इंदिरा

संजय गांधी का नसबंदी प्रोग्राम गलत वजहों से देश में सुर्खियां बटोर रहा था। इसका आभास इंदिरा को तब हुआ जब पांच दिन की पदयात्रा के बाद एक गरीब व्यक्ति दिल्ली स्थित अकबर रोड पहुंचा। उसके जूते के तलवे घिस गये थे वो एक गांव का अध्यापक था जो इंदिरा को यह बताने आया था कि उसकी एक ही बेटी थी बावजूद इसके उसकी नसबंदी कर दी थी गई थी। पुलिस ने उसे मुक्कों से पीटा था। इंदिरा इस कहानी को सुनकर द्रवित हो उठीं। इस समय तक इमरजेंसी लागू हुए लगभग 19 महीने गुजर चुके थे। इंदिरा अब इमरजेंसी पर बड़ा फैसला लेना चाहती थीं। लेकिन संजय अब भी एक साल तक रुकना चाहते थे। वे चाहते थे कि नेताओं को रिहा करने के बाद एक साल तक प्रतीक्षा की जाए ताकि लोग सारी समस्याएं भूल जाएं और अफवाहें दब सकें। इस बार इंदिरा ने अपने जिद्दी बेटे की एक नहीं मानी। उन्होंने 18 जनवरी 1977 को आने वाले दो महीनों में चुनावों की घोषणा के साथ पूरे देश को चौंका दिया। इंदिरा ने कहा कि इस अवसर के साथ ही सारे भ्रम और भ्रांतियों का अंत हो जाएगा। इसी के साथ मार्च 1977 में चुनावी नतीजे आने के साथ आपातकाल खत्म हो गया। – साभार

धर्म और संस्कृति से सराबोर श्रावणी मेले

■ धीरज बसाक

यूं तो सावन के महीने में पूरे देश में हजारों जगह श्रावणी मेले लगते हैं, मगर इनमें चार मेले सबसे बड़े और खास होते हैं। छोटी काशी के नाम से मशहूर उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी स्थित गोला गोकर्णनाथ में सावन के महीने की छठा निराली होती है। यहां पूरे महीने शिव भक्त कांवड़िये भोलेबाबा का जलाभिषेक करते हैं और पूरे महीने यहां धर्म और अध्यात्म से सराबोर श्रावणी मेले की रौनक रहती है। दूसरा बड़ा श्रावणी मेला बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी यानी बनारस में लगता है, जहां देश ही नहीं दुनिया के कोन-कोने से शिवभक्त सावन के महीने में आकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करते हैं और उनसे आशीर्वाद पाते हैं। तीसरा बड़ा श्रावणी मेला हरिद्वार में लगाता है, यह मेला भी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है और यहां भी देश के कोने-कोने से तो शिवभक्त पहुंचते ही हैं, दुनिया के दूसरे देशों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त इस महीने में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए यहां आते हैं। देश का चौथा और दुनिया का सबसे बड़ा श्रावणी मेला झारखंड के देवघर जिले में लगता है। वास्तव में यह श्रावणी मेला करीब 130 किलोमीटर लंबे जन-सैलाब की शक्ल में होता है और पूरे महीने इस मेले में भक्ति और अध्यात्म के रिमझिम बारिश होती रहती है। जिस तरह प्रयाग में लगने वाले माघ मेले और कुंभ मेले की कई महीनों पहले से ही तैयारी की जाती है, उसी तरह से बिहार और झारखंड के दर्जनों अधिकारी देवघर के इस श्रावणी मेले की महीनों पहले से तैयारी करते हैं। क्योंकि यहां भी पूरे सावन माह में 1 करोड़ से ज्यादा शिवभक्त पहुंचते हैं।

इस मेले में कांवड़िये बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेकर देवघर पहुंचते हैं। यह मेला 19 अगस्त तक चलेगा। यह मेला कितना बड़ा आयोजन होता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर बाबा बैजनाथ धाम के लिए जो कांवड़िये निकलते हैं, उन्हें चलने में किसी तरह की परेशानी न हो इसलिए पूरे रास्ते में गंगा की मिट्टी बिछाकर उसे आरामदायक रास्ता बनाया जाता है। यही नहीं कांवड़ियों के लिए बिछाये गये इस मिट्टी के रास्ते के दोनों तरफ सौंदर्यीकरण किया जाता है। यह मेला अपने आप में एक दर्शनीय आयोजन होता है।यही वजह है कि जितने कांवड़िये या जलाभिषेक के लिए भक्त बाबा बैजनाथ धाम पहुंचते हैं, उससे कई गुना ज्यादा श्रद्धालु इस मेले की छटा देखने के लिए पहुंचते हैं। पूरे सावनभर बिहार और झारखंड की लगभग 150 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में सिर्फ इंसान ही इंसान और जय बाबा बैजनाथ के उल्लासभरे हरकारे ही सुनने को मिलते हैं। इसलिए देवघर में लगने वाले इस श्रावणी मेले को श्रावणी महामेला भी कहा जाता है।

पाकिस्तान के 2 शिव मंदिर, जहां 3,000 साल से पुराना शिवलिंग

■ सपना सिंह

सावन का पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। भारत में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनकी कई मान्यताएं हैं, लेकिन पाकिस्तान में भी ऐसे शिव मंदिर हैं, जहां आज भी पूजा होती है। बता दें, 1947 में अटारी और वाघा के बीच एक रेखा खींची गई थी। विभाजन ने न केवल लोगों को उनके घरों और खेतों से उजाड़ा, बल्कि सिखों और हिंदुओं को इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान में अपने पूजा स्थलों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन कुछ वर्षों बाद दो शिव मंदिरों को पुनर्जीवित किया गया। आइए जानते हैं पाकिस्तान में स्थित शिव मंदिरों के बारे में। मनसेहरा से लगभग 10 किलोमीटर दूर, काराकोरम राजमार्ग पर स्थित, चिट्टी गट्टी के मंदिर में पाकिस्तान का सबसे बड़ा शिव लिंग है। कहा जाता है कि यह मंदिर 3000 साल से अधिक पुराना है, 1948 में स्थानीय लोगों ने इसे सील कर दिया था, जिन्होंने मंदिर के आसपास की जमीन पर भी कब्जा कर लिया था। 1998 तक यह क्षेत्र की छोटी हिंदू आबादी के लिए दुर्गम बना रहा। बता दें, हिंदुओं ने अपनी आस्था और विरासत के लिए इस मंदिर का पूजना शुरू किया। चिट्टी- गट्टी शिव लिंग मंदिर पाकिस्तान का अब सबसे लोकप्रिय मंदिरों में से एक है। यह पूरे पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, खासकर महा शिवरात्रि पर। बता दें, इस मंदिर की पुनर्स्थापना बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी हिंदुओं द्वारा की गई थी, जिन्होंने धन और श्रम से योगदान दिया। बता दें, इस मंदिर में 3,000 साल से भी पुराना शिवलिंग है, जो इसे पाकिस्तान में सबसे पुराना मंदिर बनाता है। चकवाल जिले में भव्य कटास राज शिव मंदिर पाकिस्तान में सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र हिंदू स्थलों में से एक है। कटास राज में वास्तव में सात मंदिर शामिल हैं - आज केवल तीन ही बचे हैं - जो एक पवित्र तालाब की परिधि के आसपास बने हैं। यह शिव मंदिर तकरीबन 900 साल पुराना माना जाता है। इतिहासकारों एवं पुरात्तव विभाग के अनुसार, इस स्थान को शिव नेत्र माना जाता है। किंवदंती के अनुसार, यह तालाब तब बना जब भगवान शिव ने अपनी प्रिय पत्नी सती के निधन पर दो आंसू बहाए थे। जहां एक आंसू की बूंद से कटासराज में तालाब बन गया, वहीं दूसरी बूंद अजमेर के पुष्कर में गिरी। उत्तरी पंजाब के हिंदुओं के चले जाने के बाद, कटास राज एक खंडहर में बदल गया था और इसका तालाब कचरे से भर गया। आखिरकार हिंदूओं ने साल 1982 में मंदिर की पुनर्स्थापना की। इन देशों में भी शिवमंदिर-शिव एक हिंदू देवता हैं जिनकी पूजा लोग अज्ञान-विनाशक के रूप में करते हैं। हिंदू देवताओं में तीन मुख्य देवताओं में से एक के रूप में, पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में उनकी पूजा के लिए समर्पित मंदिर हैं - मुख्य रूप से भारत और इसके केंद्र शासित प्रदेश, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और पाकिस्तान के साथ-साथ अन्य दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भी शिव मंदिर है। – साभार

नागद्वारी मेले का अंतिम दिन, पचमढ़ी में उमड़े लाखों श्रद्धालु

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के हिल स्टेशन एवं पर्यटन स्थल तथा शिव की नगरी पचमढ़ी के प्रसिद्ध नागद्वारी मेला में अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमडी। श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन स्तर से व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर सोनिया मीना स्वयं मेला की मानिटरिंग करती रही। प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा मेला स्थल पर यात्रियों को किसी प्रकार की कोई असुविधाएं नहीं हो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया। यह मेला 01 अगस्त से 10 अगस्त तक आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य रूप से नागपंचमी पर भारी भीड़ उमडी। तीन दिन से बारिश होने के बावजूद भी यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी गई।

नागद्वारी यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने से लेकर दवाइयों के शिविर की व्यवस्था मेला स्थल पर की गई थी। जिसके लिए 24 *7 मेडिकल टीम विभिन्न पॉइंटों पर तैनात रही। मेले में 01 अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक लगभग 6 से 7 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी, कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नागद्वारी मार्ग पर मेला से पूर्व ही ट्रैकिंग कर निरीक्षण करने के साथ ही एडीएम डीके सिंह, जिला पंचायत सीईओ सौजान सिंह रावत, एसडीएम पिपरिया संतोष कुमार तिवारी एवं तहसीलदारों सहित अन्य अनेक अधिकारियों को अलग-अलग व्यवस्था के लिए तैनात किया था। नागद्वारी यात्रा के लिए सभी स्थानों पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित पटवारी एवं सुरक्षा के लिए टीआई एवं एसआई स्तर के अधिकारी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए थे। साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए होमगार्ड एसडीआरएफ की टीमें तैनात रही। नागद्वारी यात्रा के प्रथम स्थान नागफनी से नागद्वार तक कदम कदम तक अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया था। पेयजल से लेकर ठहरने के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नागद्वारी मेले के सुचारू एवं सफल संचालन में एसडीएम पिपरिया संतोष कुमार तिवारी, साडा सीईओ नीरज श्रीवास्तव, तहसीलदार पिपरिया वैभव बैरागी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

भारतीय सिंधु सभा एव सिंधी मेला समिति भोपाल द्वारा 10, 11, 12 अगस्त को भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग मे सिंधी डिश कुकिंग कांपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमे पूज्य पंचायत इटारसी के सहयोग से भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा द्वारा शहर में इसका आयोजन 10 अगस्त शाम 4 बजे से सिंधु भवन सिंधी कालोनी मे किया गया। जिसमें 40 प्रतियोगीयो ने भाग लिया जिसमें निर्णायक टीम भोपाल से आई जिसमे श्रीमती नीलू गयानचदानी, श्रीमती प्रिया खेमचंदानी एव अतिथि अर्जुन दास नेभनानी,चंदा नेभनानी द्वारा सिंधी डिश का टेस्ट लिया गया। इसमें जो भी प्रथम द्वितीय आएगा उनको भोपाल के मानस भवन मे 1 सितम्बर को सम्मानित किया जाएगा।

राज्य शिक्षा केंद्र की टीम ने किया स्कूलों का निरीक्षण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा जिले के लिए नियुक्त ओआईसी रमाशंकर तिवारी के द्वारा विकासखंड सिवनी मालवा की प्राथमिक माध्यमिक शालाओं का भ्रमण कर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे की तैयारी का जायजा लिया। उनके द्वारा जनपद शिक्षा केंद्र सिवनी मालवा में एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत वृक्षारोपण किया उसके बाद विकासखंड के जन शिक्षा केंद्र शिवपुर के अंतर्गत माध्यमिक शाला चापड़ाग्रहण कन्या माध्यमिक शाला शिवपुर एसबीएस शाला शिवपुर एवं जनशिक्षा केंद्र नवीन सिवनी मालवा अंतर्गत हाई स्कूल झकलाय एवं माध्यमिक शाला भिलट देव का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं जन शिक्षकों से राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे 2024 की तैयारी के संबंध में चर्चा की गई श्री तिवारी एवं बीआर सी संगीता यादव द्वारा सभी को बेहतर रणनीति तैयार कर अच्छे परिणाम लाने हेतु प्रयास करने की समझाइस दी गई।

लाडली बहनों को मिली रक्षाबंधन की सौगात, नपा अध्यक्ष ने सभी बहनों को उपहार में दीं साड़ियां

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश की लाडली बहनों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 1.29 करोड़ लाड़ली बहनो के खाते में लगभग 1897 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की, जिसके चलते सिवनी मालवा परियोजना के प्रत्येक ग्राम एवं नगर पालिका के प्रत्येक वार्ड में 10 अगस्त को लाडली बहना उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जिनका कार्यक्रम विजयनगर के शयोपुर में दोपहर 2:15 बजे से संचालित था इसी तारतम्य में सिवनी मालवा में कार्यक्रम आयोजित किया गया नगर पालिका के वार्ड नंबर 3 में लाडली बहना कार्यक्रम जिसकी थीम थी लाडली बहनों द्वारा जनप्रतिनिधियों को राखी बांधना एवं लाडली बहनों द्वारा उद्बोधन और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन के मार्गदर्शन में लाडली बहना उत्सव कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा की उपस्थि रहे मे लाडली बहना ओ को संबोधित कर गीत गया नपाअध्यक्ष श्री जैन द्वारा लाडली बहनों को रक्षाबंधन पर 1250 रुपए के अतिरिक्त ढाई सौ रुपये पुरुस्कृत राशि के संबंध में जानकारी दी गई मंच संचालन प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती रेखा यदुवंशी द्वारा किया गया एवं लाडली बहन श्रीमती आरती गौर द्वारा उद्बोधन दिया गया एवं सभी उपस्थित लाडली बहनों को नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप साड़ियां भेंट की गई।

लाडली बहनों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 1.29 करोड़ लाड़ली बहनो के खाते में लगभग 1897 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। मध्यप्रदेश के श?योपुर जिले के विजयपुर से पूरे कार्यक्रम का मध्यप्रदेश में लाइव प्रसारण किया गया। नर्मदापुरम में कार्यक्रम का आयोजन शहर के नेहरू पार्क में किया गया। इस उपलक्ष्य में मुख्यमत्री लाड़ली बहना योजना एवं स्व सहायता समूह सम्मेलन एवं रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, एवं पार्षद गण सिटी मजिस्ट्रेट असवन राम चिरामन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ललित डेहरिया, परियोजना

अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नगर पालिका कार्यालय अधीक्षक डॉ प्रशांत जैन एवं नगर पालिका के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण, महिला बाल विकास विभाग के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। लाड़ली बहनो द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए व उपस्थित जनप्रतिनिधियों को राखी बांधी गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा भी उन्हें पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किये गए।

माध्यमिक कन्या कस्तूरबा शाला के जर्जर कक्ष को तोड़ा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार शासकीय माध्यमिक कन्या कस्तूरबा शाला इटारसी के क्षतिग्रस्त कक्षों को जेसीबी से तोड़ा गया। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश प्राप्त होने पर शासकीय माध्यमिक कस्तूरबा शाला का निरीक्षण किया गया था। जिसमें पाया गया कि शाला में विगत 8 वर्षों से क्षतिग्रस्त कक्षों में कक्षाओं का संचालन नहीं किया जा रहा था, साथ ही इन क्षतिग्रस्त कक्षों में किसी प्रकार की सामग्री का भंडारण नहीं किया जा रहा था। कक्षाओं का संचालन भौतिक रूप से उत्तम स्थिति वाले कक्षों में किया जा रहा है, किन्तु यह जर्जर कक्ष कभी भी ढहाने के कगार में थे। अत-इन कक्षों को जेसीबी से तोड़ा गया ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की

आशंका को खत्म किया जा सके। शाला का संचालन सुरक्षित कक्षों में किया जा रहा है। जहां छात्राएं एवं शिक्षक पूर्ण सुरक्षित स्थिति में है।

1983-84 में उड़े परिंदे एकत्रित हुए तवा नगर में

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

तवा नगर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तवा नगर में 1983- 84 के हायर सेकेंडरी पास आउट छात्र-छात्रा का तवा के परिंदों के नाम से संचालित ग्रुप द्वारा शनिवार को नगर का ऐतिहासिक दिवस रहा जिसमें पूज्य गुरुवर वासने सर वर्मा सर अग्रवाल सर तोमर सर एवं गुरु माताओ को फूल माला शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इसके

पश्चात प्रदेश सहित दूसरे प्रदेश और विदेश से आए हुए तवा के परिंदों ने मंच पर गुरुजनों का सम्मान करते हुए अपने परिवार सहित परिचय एक दूसरे को दिया. मिलन समारोह में स्नेह भोज के बाद अंत में सबको स्मृति चिन्ह प्रदान कर विदाई दी गई। कार्यक्रम के संयोजक मोहन सिंह राजपूत संजय वसने मनोज बाघमार वफात खान उमेश शर्मा मंजूर हसन रमेश गुजरे बनवारी लाल रामपाल नंद राय संध्या शर्मा मलिक उमा यादव अनीश खान परवीन बानो महेंद्र समदानी तेजवंत सिंह चौहान योगेंद्र लिखकर के गोरिल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया. कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन मोहन सिंह राजपूत ने किया आभार व्यक्त संजय वासने ने किया।

मेट्रो एंकर | ऑडिटोरियम के बाहर विधायक और नगरपालिका अध्यक्ष ने लगाए पौधे

विधायक और नगरपालिका अध्यक्ष को लाडली बहनों ने बांधी राखी, ऑडिटोरियम में हुआ कार्यक्रम

इटारसी, दोपहर मेट्रो। पंडित भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम में शनिवार विधायक डॉ सीतासरन शर्मा और नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने लाडली बहनों से राखी बंधवाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा श्योपुर से प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1500-1500 रुपए के हिसाब से 1897 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर करने का। उल्लेखनीय है कि बहनों के खाते डाली गई राशि में लाड़ली बहना योजना की राशि के रूप में 1250 रुपए और 250 रुपए रक्षाबंधन के लिए शामिल है।

यहां आयोजित हुए स्व-सहायता समूह सम्मेलन तथा रक्षाबंधन एवं श्रावण उत्सव कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस अवसर पर बहनों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है आज हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव लाडली बहनों के खाते में 1500 की राशि सीधे ट्रांसफर कर रहे हैं। विधायक डॉक्टर शर्मा ने कहा कि महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध हो इसके लिए हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है अभी हमारे नगर पालिका इटारसी में सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए लोन दिलाने के लिए बहुत अच्छा काम किया है जिसके फल स्वरूप उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में हमारी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है हमारी बहन है रक्षाबंधन अच्छे ढंग से बना सके इसलिए आज उनके खाते में अतिरिक्त 250 की राशि भी मुख्यमंत्री ने डाली है। इस अवसर पर ऑडिटोरियम के नीचे विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष ने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में सी एम ओ ऋतु मेहरा, महिला बाल विकास अधिकारी डिप्टी शुक्ला, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, भाजपा नगर महामंत्री राहुल चौरे, पार्षद राहुल प्रधान, पूर्व पार्षद राजकुमार यादव, अधिवक्ता और भाजपा नेता आशीष मालवीय, उपाध्यक्ष नगर शैलेंद्र दुबे सहित अन्य मौजूद थे।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध की गई कार्यवाही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के अवैध शराब के विक्रय निर्माण परिवहन संग्रहण के परिपेक्ष में दिए गए निर्देश के पालन में जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में जिले में

अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत गत दिवस नर्मदापुरम शहर के बालागंज, मालाखेड़ी क्षेत्र में आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई। कार्यवाही में 78 क्वाटर ऑफिसर चॉइस अंग्रेजी शराब, 72 नग केन बीयर जब्त किया गया।

नर्मदापुरम आबकारी टीम के द्वारा माखन नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के खिलाफ दबिश एवं तलाशी की कार्रवाई की गई। जिसमें कुचबंदिया मोहल्ला माखन नगर में लगभग 350 किलोग्राम अवैध महुआ लहन बरामद कर जप्त कर नष्ट किया गया एवं 40 लीटर अवैध हाथ भारती महुआ शराब जब्त किया गया। पुनः गुजरवाडा में 300 किलोग्राम महुआ लहान एवं बागरा तवा में 200 किलोग्राम महुआ लहान अवैध शराब बनाने योग्य बरामद कर शराब बनाने के अयोग्य किया गया आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की अंतर्गत कार्यवाही, कुल 11 प्रकरण कायम किया गया। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 1 लाख 32 हजार रुपये है।

कार्यवाही में आबकारी उडनदस्ता से सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राहुल ढोके, विनोद सल्लाम, आबकारी उपनिरीक्षक राजेश साहू, वासुदेवाचार्य त्रिपाठी हेमंत चौकसे कृष्ण कुमार पड़रिया, हेमंत बिसोरिया, रानी अहिरवार, आबकारी मुख्य आरक्षक रघुवीर निमोदा, आबकारी आरक्षक मनोज रघुवंशी, गोपाल रघुवंशी राजेश गौर,धर्मेंद्र बारंगे, दुर्गेश पठारिया गणपति बोबडे तथा सहयोगी पुलिस बल आदि का सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग की टीम द्वारा सटीक सूचनाएं संकलित कर इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेंगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान: विधायक ने लगाया पौधा, संरक्षण का दिलाया संकल्प

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को अल्पप्रवास पर पधारे कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने बगरोदा के शासकीय स्कूल में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था सर्वधर्म जन कल्याण समाज सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित वृहद वृक्षारोपण में सहभागिता कर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, लक्ष्मण सिंह, शिवराज सिंह, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को बुद्ध जयंती पार्क में एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 111 वें एपिसोड में इस अभियान के महत्व पर बताते हुए प्रत्येक देशवासी से अपनी मां के प्रति सम्मान स्वरूप कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने की मार्मिक अपील की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की उस मार्मिक अपील ने देशवासियों के दिलों को छू लिया और देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के बीच अपनी मां के प्रति अपने सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में पौधे रोपित करने की होड़ लग गई। उन्होंने कहा हर व्यक्ति अपूर्व उत्साह के साथ इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आतुर है। इस अभियान का एक निहितार्थ यह भी है कि हम सब प्रकृति की गोद में ही पलकर बड़े होते हैं। अतः इस अभियान से जुड़ कर हमें प्रकृति के प्रति अपने फर्ज को भी पूरा करने की संतुष्टि मिल सकती है। भाई उन्होंने विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कर उन्हें संरक्षित करने का भी लोगों को संकल्प दिलाया। इस अवसर पर स्कूली स्टाफ, विद्यार्थियों सहित गांव के वरिष्ठ रामबाबू रघुवंशी, खिलान सिंह, सर्वधर्म जनकल्याण समाज सेवा समिति के संयोजक प्रमोद रघुवंशी, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष विकाश सिंह, सचिव शिवम सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

स्कूल में नीचे बैठे मिले बच्चे तो विधायक ने जताई नाराजगी

इस वृक्षारोपण के पश्चात विधायक बगरोदा स्थित शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों से मिले और उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान पढ़ाई कर रहे बच्चों से उन्होंने सवाल जवाब भी किए। वही स्कूल के कमरों में बैठे बच्चों को देख विधायक भड़क गए और उन्होंने स्थानीय शिक्षकों को फटकार भी लगाई। वहीं उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई करने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि बच्चों को बैठने उचित व्यवस्था नहीं है तो मुझे बताना चाहिए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को टेबल कुर्सी पर बैठने के लिए एक लाख रुपए फर्नीचर के लिए देने की घोषणा की, जिस पर गांव के लोगों ने ताली बजाकर उनका सम्मान किया।

कलेक्टर ने कालोनियों के दस्तावेजों की जांच हेतु दल गठित किए

दल के सदस्यों ने भ्रमण कर कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने जिले में अवैध कॉलोनियों पर अंकुश लगाने तथा वैधानिक कालोनियों में स्थानीय रहवासियों को बुनियादी सुविधाएं तथा निकाय अधिनियमों का पालन किया जा रहा है कि नहीं इत्यादि की अपडेटेड जानकारियां प्राप्ति व स्थलीय सत्यापन व निरीक्षण के लिए चार सदस्यीय जांच दल गठित किया है। जिले में जनसुनवाई एवं समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यम से संज्ञान में लाया जा रहा है कि जिले में नगरीय निकाय एवं उसके आसपास तथा जिले के बड़े कस्बों, ग्राम में अवैध कॉलोनियों विकसित हो रही हैं जो आमजन, रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान नहीं कर रही हैं। जिले में ऐसी अवैध कॉलोनियों की जांच किये जाने हेतु मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 एवं अन्तर्गत बने नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वधन तथा शर्त) नियम समय-समय पर जारी संशोधन के तहत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु जांच दल का गठन के आदेश जारी किए गए हैं।

जांच दल के कार्य - उक्त जांच दल स्थानीय राजस्व अधिकारियों अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर अवैध कॉलोनियों की जानकारी प्राप्त की जाकर उनका परीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उक्त जांच दल क्षेत्रीय मैदानी अमले के साथ मौका स्थल का भ्रमण कर विकसित हो रही अवैध कॉलोनी के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। प्रस्तुत किये जाने वाले प्रतिवेदन में सम्बंधित व्यक्ति जिसकी भूमि पर अवैध कॉलौनी का विकास किया जा रहा है, उसका नाम, पता सहित विवरण उस भूमि का विवरण जिस पर अवैध कॉलौनी विकसित की जा रही है, उक्त भूमि पर किये जा रहे विकास कार्य का विवरण (फोटोग्राफ सहित) यदि भू-खण्ड का पंजीयन किसी के पक्ष में आवासीय, वाणिज्यक प्रयोजन के लिए किया गया है तो उसका विवरण, प्रश्नाधीन भूमि का व्यपवर्तन होने, करने के उपरांत क्या व्यपवर्तित भूमि के भू-राजस्व का पुर्ननिर्धारण कर लिया गया है।

भ्रमण व दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश

कलेक्टर द्वारा गठित जांच दल की अध्यक्षता व डिप्टी कलेक्टर निकिता तिवारी तथा सदस्यों ने आज शनिवार को विदिशा शहर की अनेक कालोनियों का भ्रमण कर जायजा लिया है। विदिशा में अवैध कॉलोनी के विरुद्ध जांच दल के द्वारा विभिन्न कॉलोनी का निरीक्षण किया गया तथा मौके पर उपस्थित कॉलोनाइजर प्रतिनिधि से नियत समयावधि में समस्त अनुमतियां तथा दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया है उनमें बांके बिहारी कॉलोनी, रुद्राक्ष प्राइस, सांवलिया सेठ न्यू अरिहंत विहार कॉलोनी तथा ड्रीम होम्स इन्फाटेक शामिल हैं। गौरतलब हो कि ये कॉलोनी जरूरी नहीं की अवैध हों इन सब से बस दस्तावेज मांगे गए हैं।

पीएम श्री विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

झोलाछाप व प्राइवेट डॉक्टरों से बच्चों का कराया स्वास्थ्य परीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एक तरफ झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई की जा रही है दूसरी ओर कई झोला छाप डॉक्टरों से इलाज करवाने का काम भी सरकारी संस्थानों मे किया जा रहा है। शनिवार को पीएम श्री विद्यालय शासकीय हाई स्कूल बरेज में स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। लेकिन हद तो तब हो गई जब हमारी टीम ने पड़ताल में पाया कि जो डॉक्टर बनकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं उनमें कुछ लोग झोलाछाप हैं जो पथरिया में अवैध क्लीनिक चला रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने कार्रवाई के लिए आदेश जारी किया है। जिम्मेदार सिस्टम में बैठे लोग इन्हें संरक्षण देकर समाज के बीच में सम्मानित कर रहे हैं। जिससे बच्चों पर क्या असर पड़ेगा इसका भी अंदाजा हम लगा सकते हैं। क्योंकि जिन छोटे बच्चों का यह लोग परीक्षण कर रहे हैं वह लोग इन्हें डॉक्टर समझ रहे हैं। इन लोगों को स्वयं ही यह पता नहीं है कि हमें बच्चों का क्या परीक्षण करना है। इस पूरे खेल में सिर्फ पीएम श्री हाई स्कूल के प्राचार्य और स्टाफ ही नहीं अपितु भाजपा नेता भी उतने ही जिम्मेदार हैं जितने वहां पर पदस्थ सरकारी सिस्टम के लोग हैं। क्योंकि भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार लगातार ऐसे लोगों पर कार्रवाई कर रही है। लेकिन यह लोगों इन्हे संरक्षण देकर भाजपा सरकार को ही चुनौती देते दिखाई पड़ रहे हैं।

वही इस कार्यक्रम के प्रसार प्रचार में भी उक्त झोलाछाप का फोटो लगाया गया है। वही विद्यालय प्राचार्य संतोष जैन ने बताया कि इस शिविर में डॉक्टर राहुल सेन द्वारा आंखों का परीक्षण किया गया एवं डॉक्टर अक्षत जैन द्वारा सभी छात्राओं का एवं छात्रों का दंत परीक्षण किया गया। इसके अलावा इनके साथ आए इंद्रेश राजपूत को भी प्राचार्य डॉक्टर बता रहे हैं। इसमें मंडल अध्यक्ष सहितअन्य भाजपा पदाधिकारी भी पूरे समय मौजूद रहे। वही स्कूल स्टाफ ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद इन सभी का फूल माला एवं स्मृति चिन्ह देकर कर सम्मान भी किया। एक तरफ सरकार कार्रवाई कर रही है और यह लोग सम्मान करने में पीछे नहीं है रहे हैं। हालांकि पूरे मामले को लेकर स्थानीय बीईओ उमेश सोनी का कहना है कि यदि इस तरह का कार्यक्रम पीएम श्री के प्राचार्य द्वारा आयोजित किया गया है, तो यह गलत है हम इसकी जांच कराएंगे और यदि जहां सही पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है -

मैं स्वयं जाकर इस पूरे मामले की जांच करूंगा यदि इस तरीके से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है और उसमें शासकीय डॉक्टर नहीं है तो यह गलत है।

***उमेश सोनी** बीईओ*

जिला स्तर से टीम गठित कर जांच करवाई जाएगी। अन्य जनप्रतिनिधियों की तरफ से भी शिकायत मिली है यदि सही पाई जाती है तो उक्त अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

***आर. के. ठाकुर** डीईओ।*

पीएम श्री विद्यालय द्वारा हमसे किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई है, ना ही हमारे विभाग की तरफ से कोई वहां पहुंचा है, जिन लोगों ने किया है हम दिखबातें यदि डिग्री धारी नहीं है तो कार्रवाई की जाएगी।

***विकाश सिंह** बघेल बीएमओ*

मुझे इसके संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई यदि झोलाछाप डॉक्टरों से स्वास्थ परिक्षण स्कूल में कराया है तो वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार करके कार्रवाई करवाएंगे।

***निशा भगत सिंह रघुवंशी** जिला स्वास्थ्य सभापति*

सरकारी पैसा हो रहा खर्च लेकिन जिम्मेदारों को ध्यान नहीं -

बरेज में पीएम श्री हाई स्कूल विद्यालय में लगाए गए इस शिविर में देखने को मिला कि सरकारी पैसे का भी खूब बंदर बांट हो रहा है। कुर्सी, टेबल, टेंट सहित खूब खर्च किए जा रहे हैं जिसका पैसा सरकार से ही लिया जा रहा है और सरकार के आदेश के विपरीत ही कार्य किया जा रहे हैं। झोलाछाप सरकारी पैसे पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं जिनके पास ना ही कोई शासन की डिग्री है और ना ही यह लोग स्वास्थ्य के संबंध में कोई विशेषज्ञ है। फिर भी स्थानीय अधिकारी और कुछ नेता मिलकर अपनी मनमर्जी चला रहे हैं। इस स्वास्थ्य परीक्षण से यदि किसी बच्चे के साथ कुछ अनहोनी हो जाती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। इस पर भी विभाग को चिंतन करना चाहिए। क्योंकि अभी तक देखने को मिला है जब भी क्षेत्र में कोई स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित किया जाता है, तो सरकारी डॉक्टर ही उस शिविर में आकर स्वास्थ्य का परीक्षण करते हैं।

बैनर में भी झोलाछाप का फोटो !

बरेज के पीएम श्री विद्यालय में आयोजित होने वाले इस स्वास्थ्य शिविर के लिए जो बैनर इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है उसमें भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ स्थानीय विधायक के अलावा अन्य बड़े नेता व प्रतिनिधियों के फोटो के साथ उक्त झोलाछाप डॉक्टर का भी फोटो प्रदर्शित किया गया है। ऐसे ही अन्य बैनर भी है जिनमें स्थानीय एसडीएम और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के फोटो हैं और उन बैनरों के नीचे इस तरीके के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा है, जो समाज में गलत प्रभाव डाल सकता है। इसके अलावा बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। क्योंकि जो स्वास्थ्य का परीक्षण कर रहे हैं उन्हें इस विषय का कोई ज्ञान ही नहीं है।

ईकेवायसी कार्यो हेतु शिविरों का क्रियान्वयन जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा दिए गए निर्देशो के परिपालन में विदिशा जिले में राजस्व महा अभियान 2.0 तहत ईकेवायसी अपडेशन कार्यो का संपादन किया जा रहा है। इस कार्य हेतु तीन दिवसीय विशेष शिविरो का आयोजन जारी है।

कलेक्टर ने ईकेवायसी कार्यो की शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति हेतु समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है तथा ग्राम स्तर पर दलो का गठन कर इस कार्य की सतत मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया है। तीन दिवसीय इस शिविर अंतर्गत आज विदिशा जिले के विभिन्न ग्रामो में कृषकबंधुओं समेत अन्य शासकीय योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों के दस्तावेजो का अपडेशन तथा ईकेवायसी कार्य शिविरो के माध्यम से किया गया है यह शिविर 12 अगस्त तक जारी रहेगा। इसके अलावा ग्राम स्तर पर ईकेवायसी की लक्ष्यपूर्ति हेतु डोर-टू-डोर ग्रामीणो के घर-घर पहुंचकर ईकेवायसी का कार्य किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर | **गर्भवती महिलाओं से भी वसूल रहे पर्चे के 10 रुपए**

सिरोंज के राजीव गांधी जन चिकित्सालय में मप्र सरकार के आदेश का नहीं हो रहा पालन!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जिन गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क इलाज का दावा मप्र सरकार कर रही है, सिरोंज के राजीव गांधी जन चिकित्सालय में इलाज के लिए ओपीडी पर्चा बनवाने के नाम पर प्रबंधन उनसे 10-10 रुपये वसूल कर रहे हैं। जबकि यह सुविधा अब तक पूरी तरह से निश्शुल्क थी। मप्र सरकार ने जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना के तहत गर्भवती महिलाओं का इलाज पूरी तरह से निशुल्क कर रखा है। इसलिए शासकीय अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के पर्चे बनवाने पर ओपीडी चार्ज वसूल नहीं किया जाता लेकिन सिरोंज में लगातार गर्भवती महिला और नवजात बच्चों के पर्चे बनाने पर रुपए वसूले जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को सामने आया है। ज्ञात हो की वर्तमान में मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर झोलाछापों पर लगातार कार्रवाई देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से नगर के शासकीय अस्पताल में मरीजें की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जार ही शुक्रवार सुबह 11 बजे अस्पताल में अधिकांश डॉक्टर अपने

कार्यालय में बैठे ही नहीं थे, उनके कक्षों पर ताला डला हुआ था। व्यवस्था के नाम पर हर जगह अव्यवस्था ही देखने को मिल रही है। मरीजों को इलाज के लिए कई घंटे तक डॉक्टरों का इंतजार करना पड़ता है।

डॉक्टर अपनी मनमर्जी से ही अस्पताल पहुंचते हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों को पोष्टिक आहार तक ठीक से नहीं मिल रहा। प्रतिदिन वसूल रहे अवैध राशि अस्पताल में ओपीडी पर्चा बनवाने के प्रतिदिन सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। यह प्रक्रिया सभी अस्पतालों में है लेकिन गर्भवती महिलाओं को शासन ने इस 10 रुपए का पर्चा बनवाने की राशि से दूर रख है लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण सिरोंज में इन गर्भवतो महिलाओं से भी 10 रुपए की राशि अवैध रूप से वसूली जा रही है। यह प्रक्रिया कई महीनों और बरसों से लगातार जारी है। शुक्रवार को गर्भवती महला स्वाती मालवीय ने बताया कि वह डॉक्टर को दिखाने के लिए अस्पताल आई थी उनसे भी 10 रुपए की राशि लेकर पर्चा बनाया है। उन्होंने बताया कि हम कई बार से अस्पताल आ रहे हैं हर बार इसी तरह पर्चा बनवाना पड़ता है जिसके बदले में हमें पैसे भी चुकाने पड़ते हैं। लेकिन जिम्मेदारों को दिखाई नहीं देता है।अब इस अवैध वसूली को जिम्मेदारों की लापरवाही करें या फिर मिली भगत जिसके चलते यह पूरा खेल चल रहा है. यही वजह है कि हर दिन हजारों रुपए की अवैध कमाई सिरोंज अस्पताल प्रबंधन कर रहा है।

इनका कहना है -

यदि इस तरह से अवैध वसूली की जा रही है, तो यह गलत है, जांच करा कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा अस्पताल के बाहर और पर्चा बनाने वाली जगह पर बैनर लगवाया जाएगा।

हर्षल चौधरी, एसडीएम सिरोज

हर घर तिरंगा अभियान: जिले में निकाली जा रही तिरंगा यात्राएं, हर घर तिरंगा लगाने का आव्हान

सिरोंज। विदिशा जिले में हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, गांव से लेकर नगर तक में यह अभियान एक जन आंदोलन के रूप में मनाया जाना है। इस अभियान में अधिक से अधिक जन सामान्य जुड़ सकें इस उद्धेश्य से प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत आज विदिशा जिले के विभिन्न ग्रामो में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया साथ ही यात्रा में शामिल जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणजनो ने अभियान की शपथ का वाचन भी किया। इस अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में 15 अगस्त की समयावधि तक वृहद स्तर पर तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, मैराथन, तिरंगा संगीत समारोह, तिरंगा सेल्फी सहित विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को जिले के जिन ग्रामो में तिरंगा यात्राओं के साथ-साथ अभियान की शपथ का वाचन किया गया है उनमें ग्राम चांदबड़, नटेरन, महू, हसनपुर जथौडा, दिघौनी, दामोदरखेडी, महुआखेडी, बिछिया, पडरियाजागीर, करमेढी, ऐंचदा, ताजपुरा, रूसल्ली, मूडरासागर, घटवाई, जोहद, घोघरा, जरगुंवा, ग्यारसपुर, सेमरी के साथ-साथ नपा परिषद सिरोंज में भी हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

तिरंगा प्रतिज्ञा शपथ

हर घर तिरंगा अभियान 2024 अंतर्गत आज नगर परिषद कुरवाई में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे ने भी सहभागिता की। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत सभी से अपने-अपने घरो पर तिरंगा फहराने का आव्हान किया है साथ ही उन्होंने नगर परिषद कुरवाई में आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद के सदस्यगणो तथा नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी व नागरिकों को तिरंगा प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई है।

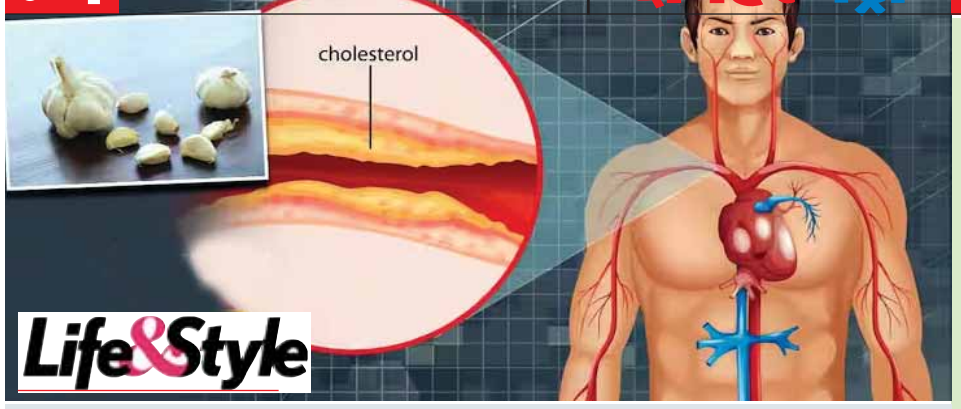

हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण कौन सी बीमारी हो सकती है?

हाई कोलेस्ट्रॉल एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो दिल, किडनी, स्ट्रोक और अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकती है. इससे बचने के लिए आपको अपने आहार में बदलाव करने होंगे. सबसे पहले आपको कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए आप अपनी डाइट में कुछ चीजों को शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं. हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए आप अंडे का सेवन कर सकते हैं. इसके अलावा आप मछली और चिकन का सेवन भी कर सकते हैं इनमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करती है.

लहसुन में पाए जाने वाले तत्व ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है. हेल्थ को इम्प्रूव करने के लिए खाली पेट लहसुन आप आराम से खा सकते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं लहसुन खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है? अगर आपके शरीर में हद से ज्यादा बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो आप अपनी डाइट में लहसुन को जरूर शामिल करें. क्योंकि बैड कोलेस्ट्रॉल हार्थ हेल्थ को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है.

बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करेगा लहसुन जानिए इसे खाने का सही वक्त और तरीका

हेल्थ के लिए लहसुन है फायदेमंद

लहसुन, हार्ट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. लहसुन खाने से हार्ट हेल्थ अच्छा रहता है. आयुर्वेद के मुताबिक लबसुन और गुड़ बहुत अच्छा कॉम्बिनेशन होता है. दिल से जुड़ी किसी भी तरह की बीमारी से छुटकारा चाहिए तो आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

कैसे खाएं लहसुन?

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखना है तो आप कटोरी में लहसुन छीलकर रख दें. अब इसमें में एक चम्मच गुड़ पाउडर मिला दें. इन दोनों को अच्छे से मिला लें. लहसुन और गुड़ से बनी यह चटनी हार्ट हेल्थ के लिए अच्छी होती है. इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल में रहता है.

खाली पेट खाएं चटनी

हर रोज सुबह खाली पेट लहसुन और गुड़ की चटनी बनाएं और इसे खा लें. इसके बाद आप पानी पी लें. दिल से जुड़ी गंभीर बीमारी और और जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए चटनी का इस्तेमाल करें. लहसुन और गुड़ दोनों में औषधीय गुण होते हैं. इसे खाने से गट हेल्थ इम्प्रूव होता है. साथ ही साथ पेट से जुड़ी समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है. दोनों चीजों का कॉम्बिनेशन बहुत अच्छा होता है. यह स्किन हेल्थ के लिए बहुत अच्छा होता है.

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखेगा डाइट

आपको रोजाना सुबह ओट्स का सेवन करना चाहिए, इसकी मदद से आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं. इसके अलावा हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, धनिया, पुदीना आदि. इन चीजों का सेवन कर आप खुद को तंदुरुस्त रख सकते हैं.

खिताब गंवाने से निराश दिखे भारतीय भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा बोले

वादा रहा, जल्द मेरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो आएगा

पेरिस, एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से सभी को उम्मीदें थी कि वह पेरिस में खिताब का बचाव करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के नए ओलंपिक रेकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नीरज अपना खिताब नहीं बचा सके और उन्हें 89.45 मीटर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा कि आज भले ही अरशद का दिन था, लेकिन जल्द मेरा भी सर्वश्रेष्ठ थ्रो आएगा।

हमारा राष्ट्रगान एक बार फिर बजेगा...

नीरज को इस बात का भी मलाल था कि स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने के कारण देश का राष्ट्रगान पेरिस में नहीं बज सका। दरअसल, पदक समारोह के दौरान चैंपियन बनने वाले खिलाड़ी के देश का ही राष्ट्रगान बजाया जाता है। नीरज चोपड़ा ने कहा, कभी-कभी आपका दिन नहीं होता। इसे स्वीकार करना चाहिए कि खेल में उतार-चढ़ाव आते हैं। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होगा और हमारा राष्ट्रगान एकबार फिर बजेगा।

लेकिन फिर भी नीरज ने रच दिया इतिहास

नीरज भले ही खिताब नहीं बचा सके लेकिन वह दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए हैं। नीरज ने कहा, मुझे खुशी है कि मैं देश के लिए फिर पदक जीतने में सफल रहा। फिर चाहे यह पदक भले ही किसी भी रंग का क्यों ना हो।

मैक्लॉघलिन ने छठी बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा दिया

पेरिस. एजेंसी

अमरीका की सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन ने एक बार फिर अपना ही विश्व रेकॉर्ड तोड़ते हुए पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ का स्वर्ण पदक जीत लिया। मैक्लॉघलिन ने 50.37 सेकेंड के रेकॉर्ड समय में रेस पूरी की। उन्होंने छठी बार अपना ही रेकॉर्ड सुधारा। अमकीकी स्टार का यह लगातार दूसरा ओलंपिक स्वर्ण पदक है। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि नीदरलैंड्स की फेमका यहां कांस्य पदक ही जीत सकीं, उन्होंने 52.15 सेकेंड में रेस पूरी की। अमरीका की अन्ना कॉकरेल ने 51.87 सेकेंड संग रजत जीता।

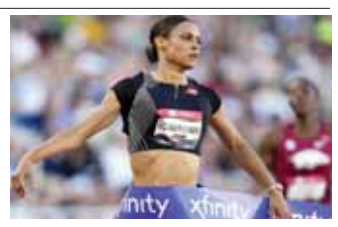

अर्जेंटीना की टीम ने छठा पदक जीता

पेरिस. एजेंसी

अर्जेंटीना की महिला हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया। यह ओलंपिक इतिहास में उसका कुल छठा पदक है। टीम ने अब तक तीन कांस्य और तीन रजत पदक जीता है। कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेल्जियम को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त दी। निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 2-2 से बराबर था। बेल्जियम की महिला हॉकी टीम ने इतिहास रचने का मौका गंवा दिया और पहली बार ओलंपिक पदक जीतने से चूक गई।

पेरिस ओलंपिक : ऑस्कर विनर गैब्रिएला परफॉर्म करेंगी

क्लोजिंग सेरेमनी आज, मनु और श्रीजेश थामेंगे तिरंगा

पेरिस, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 का आखिरी दिन आज है। रविवार रात 12:30 बजे से क्लोजिंग सेरेमनी होगी। सेरेमनी में 5 ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाली की गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन परफॉर्म करेंगी। वे ऑस्कर और एमी अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। कैलिफोर्निया की सिंगर को 2021 में 'आई कांट ब्रीद' के लिए 'सॉन्ग ऑफ द ईयर' का ग्रैमी पुरस्कार मिला था। 'हर' के नाम से मशहूर विल्सन ओलिंपिक फ्लैग हैंडओवर के दौरान स्टेड डी फ्रांस में अमेरिका का नेशनल एंथम गाएंगी। अमेरिका का लॉस एंजिल्स शहर 2028 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी करेगा।

पुरुष और महिला टीम ने किया निराश

भारत की पुरुष और महिला टीम पेरिस ओलंपिक में 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ में फाइनल का टिकट पाने से चूक गई। पुरुष टीम हीट में 5वें स्थान पर रही। उसने 3:00.05 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। मुहम्मद अनस, राजेश रमेश, अमोज जैकब और मुहम्मद अजमल की चौकड़ी जाम्बिया द्वारा हासिल किए गए कट-ऑफ समय से सिर्फ 0.50 सेकंड पीछे रही। ज्योतिका श्री दांडी, एमआर पूवम्मा, विथ्या रामराज और सुभा वेंकटेशन की भारतीय महिला टीम ने भी निराश किया।

क्लोजिंग सेरेमनी में यह होगा?

समापन समारोह के दौरान पेरिस का स्टेड डी हॉल स्टेडियम एक विशाल कॉन्सर्ट हॉल में तब्दील हो जाएगा। 100 से ज्यादा आर्टिस्ट, कलाबाज, डांस और सर्कस के कलाकार अपनी परफॉर्मेंस देंगे, जिन्हें थॉमस जॉली डायरेक्ट करेंगे। उन्होंने ओपनिंग सेरेमनी का भी डायरेक्शन किया था। साउंडट्रैक, म्यूजिक और दुनिया के फेमस सिंगर में क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे। स्टेडियम में बड़े सेट, ड्रेसिंग और लाइटिंग इफेक्ट से दर्शकों को पास्ट और फ्यूचर की यात्रा दिखाई जाएगी। यहां अमेरिकन रेपर स्नूप डॉग, सेलिन डियोन, बिली एलिश और रेड चिली पेपर्स नाम का रॉक बैंड भी परफॉर्मेंस देगा।

यूएसए को सौंपेंगे ओलंपिक फ्लैग

क्लोजिंग सेरेमनी की परंपरा के अनुसार ओलिंपिक फ्लैक यूएसए को सौंपा जाएगा, क्योंकि 2028 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी अमेरिका ही करेगा। इस दौरान परेड ऑफ नेशंस होगी, जिसमें सभी देश के एथलीट बारी-बारी से ओलिंपिक फ्लैग को सलामी देंगे।

कौन थामेगा भारत का तिरंगा?

भारत का तिरंगा 2 मेडल जीतने वालीं शूटर मनु भाकर और भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश थामेंगे। श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलिंपिक का ब्रॉन्ज जिताने में अहम भूमिका निभाई। पेरिस ओलिंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी का सीधा प्रसारण जियो सिनेमा और दूरदर्शन के स्पोर्ट्स चैनल पर होगा। आप ओलिंपिक की वेबसाइट और दैनिक भास्कर ऐप पर भी इसे फॉलो कर सकते हैं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

शाहरुख की फिल्म रवीना ने ठुकरा दी थी

किंग खान को एक्ट्रेस का यह फैसला बड़ा अजीब लगा, बोले थे- क्या तुम पागल हो?

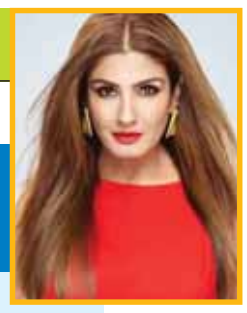

शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करना हर एक्टर का एक ड्रीम होता है। लेकिन एक मौका ऐसा आया जब रवीना टंडन से किंग खान के साथ काम करने से मना कर दिया था। यह सुनकर शाहरुख को हैरानी हुई। उन्होंने रवीना ने कहा- क्या तुम पागल हो? हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रवीना टंडन ने बताया कि उन्होंने शाहरुख के साथ काम करने से मना क्यों किया? फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा- शाहरुख खान के साथ फिल्म करने से मना इसलिए करना पड़ा क्योंकि कॉस्ट्यूम पसंद नहीं आया। फिल्म का नाम लिए बिना रवीना टंडन ने कहा- मैंने शाहरुख खान के साथ फिल्म लगभग साइन कर ली थी। लेकिन जब कॉस्ट्यूम पर चर्चा हुई तो वह मुझे बहुत अजीब लगे। वैसा कॉस्ट्यूम पहनकर मैं सहज महसूस नहीं कर पाती। इसलिए मैंने माफी मांगते हुए फिल्म में काम करने से मना कर दिया। रवीना ने आगे बताया- शाहरुख को मेरा यह फैसला ब?ा अजीब लगा। वो हैरान थे कि कॉस्ट्यूम की वजह से फिल्म के लिए कैसे मना कर सकती हूं। उन्होंने कहा- तुम पागल हो, अब क्यों मना कर रही हो? मैंने कहा- वह कॉस्ट्यूम नहीं पहन सकती, मुझे अजीब लगेगा। यह पहला मौका नहीं है जब रवीना टंडन ने शाहरुख खान के साथ काम करने से मना किया था। उन्हें यश चोपड़ा की फिल्म 'डर' के लिए भी अप्रोच किया था। लेकिन कुछ दृश्यों में उन्हें असहजता महसूस हुई और फिल्म में काम करने से मना कर दिया। हालांकि, रवीना टंडन 1995 में रिलीज फिल्म 'जमाना दीवाना' में शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं।

बॉलीवुड के 'बलवान' हैं सुनील शेट्टी, कई साल बॉक्स ऑफिस पर रहा था कब्जा

अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्म जगत में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने बॉलीवुड में कई ऐतिहासिक फिल्में की हैं। वह अपने अलग अंदाज और डायलॉग डिलीवरी के लिए मशहूर हैं। उनकी फिल्मों के रिलीज हुए वर्षों बीत जाने के बाद भी उनके डायलॉग लोगों की जुबान पर आज भी हैं। दिग्गज अभिनेता आज अपना 63वां जन्मदिन मना रहे हैं। आज ही के दिन सुनील का जन्म कर्नाटक के मैंगलोर में हुआ था। आइए इस मौके पर हम दिग्गज अभिनेता के करियर और फिल्मों पर एक नजर डालते हैं।

फिल्मों का लगा चुके हैं शतक: अभिनेता ने अपने अब तक के करियर में लगभग 110 फिल्में की हैं। बॉलीवुड में सुनील ने अपनी पहचान एक एक्शन हीरो के रूप में बनाई। उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई थी साल 1992 में आई 'बलवान' से, इसमें उनकी हीरोइन दिव्या भारती थीं। उनकी पहली फिल्म सफल रही। इसके बाद वह अक्षय कुमार के साथ 'वक्त हमारा है' में नजर आएं। यह उनकी दूसरी फिल्म थी। इस फिल्म में सुनील और अक्षय के अलावा सैफ अली खान, शिल्पा शिरोडकर और मधु भी थीं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी दूसरी फिल्म भी सफल रही। इसके बाद सफलता ने उनके पांव चूमने शुरू कर दिए। वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हुए ही दिखे और देखते ही देखते 100 से ज्यादा फिल्में कर डाली।

'धड़कन' के लिए जीता अवार्ड: साल 2000 की शुरुआत सुनील ने 'धड़कन' से की। यह फिल्म उनके करियर की सबसे सफल और हमेशा याद रहने वाली फिल्म बन गई। 'धड़कन' में वह अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के साथ नजर आएं। इस फिल्म में उनके किरदार को खूब सराहा गया। उनके संवाद इतने प्रभावशाली थे कि वह आज भी लोगों को याद हैं। इस फिल्म के लिए सुनील को फिल्मफेयर का 'बेस्ट विलेन अवार्ड' भी मिला। सुनील शेट्टी ने ना सिर्फ हीरो बनकर बल्कि विलेन के किरदार में भी दर्शकों का दिल जीता है। उन्होंने खलनायक के ऐसे किरदार निभाए कि लोग भूल ही गए कि वह कभी हीरो थे।

अभिनेता सलमान खान के साथ काम नहीं करना चाहते हैं निखिल आडवाणी

बोले- बॉक्स ऑफिस का तनाव नहीं चाहता

निखिल आडवाणी अपनी अगली फिल्म वेदा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। वेदा 15 अगस्त को सिनमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में बिजी है। निखिल ने हाल ही में फिल्म निर्माण की अपनी प्रक्रिया के बारे में बात की। इसके साथ ही अपने करियर के दौरान कई सितारों के साथ काम करने के बारे में अपने विचार साझा किए। सलमान खान के साथ काम करने पर उन्होंने कहा कि उनके साथ बॉक्स ऑफिस का दबाव हमेशा बना रहता है, जिससे वह दूर रहना चाहते हैं। सलाम-ए-इश्क और हीरो जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। उन्होंने हाल ही में एक बातचीत में निखिल से जब पूछा गया कि उन्होंने सलमान खान के साथ अधिक बार काम क्यों नहीं किया। इस पर उन्होंने कहा कि उनका और सलमान का रिश्ता बहुत मजबूत है, लेकिन इतने बड़े स्टार के साथ हिट फिल्म देने का दबाव एक बड़ी चिंता है। उन्होंने कहा, सलमान खान की फिल्मों को 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करनी होती है। अगर उनकी फिल्में इससे कम कमाई करती हैं, तो उन्हें बहुत बुरा लगता है और मैं यह बोझ नहीं उठाना चाहता। मैं रात को चैन की नींद सोना चाहता हूं। मुझे 300-400 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म बनाने का बोझ नहीं उठाना चाहता। मैं वही फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मैं बनाना चाहता हूं। मैं सलमान से प्यार करता हूं। वो मेरे मसीहा हैं। निर्माता ने कहा कि उनके फोन पर सलमान का आपातकालीन संपर्क के लिए नंबर है।

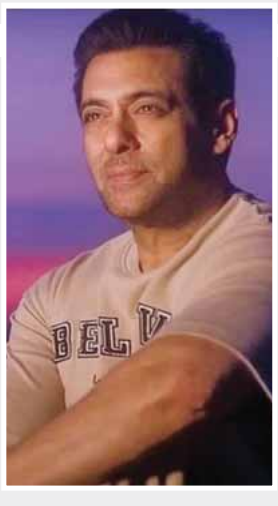

शरवरी को डेट करने पर बोले सनी कौशल

वो सिर्फ मेरी दोस्त हैं, एक्ट्रेस बोलीं- लोग अफवाहों पर यकीन ना करें

विक्की कौशल के छोटे भाई सनी कौशल हाल ही में रिलीज हुई फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा में नजर आ रहे हैं। हालांकि, सनी अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ के लिए चर्चा में रहते हैं। बीते काफी वक्त से उनका नाम 'मुंज्या' फेम एक्ट्रेस शरवरी के साथ जोड़ जा रहा है। इसी बीच एक इंटरव्यू में सनी ने शरवरी को सिर्फ अपनी दोस्त बताया है। फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के प्रमोशन के दौरान दिए एक इंटरव्यू में सनी ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की। एक्टर ने कहा कि वो सिंगल हैं। वहीं जब पूछा गया कि क्या वो शरवरी को डेट कर रहे हैं तो सनी ने कहा कि वो सिर्फ उनकी अच्छी दोस्त हैं।

एक्ट्रेस ने भी कहा- यह झूठ है

वहीं दूसरी तरफ इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'वेदा' के प्रमोशन में बिजी शरवरी से भी एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या वो सनी को डेट कर रही हैं ? तो एक्ट्रेस ने कहा- 'यह झूठ है, मैं तो रूमर्स पर यकीन नहीं करती, आई होप मेरी ऑडियंस भी ना करे।'

रणवीर सिंह कर चुके हैं रिलेशन कंफर्म

भले ही शरवरी और सनी ने अभी तक अपना रिलेशन कंफर्म ना किया हो पर दोनों अक्सर साथ नजर आते हैं। एक्टर रणवीर सिंह भी 'कॉफी विद करण' में इसकी पुष्टि कर चुके हैं। उनसे पूछा गया था कि कटरीना और विक्की किसके साथ डबल डेट पर जाना पसंद करेंगे। तो इसके जवाब में रणवीर ने तुरंत सनी और शरवरी का नाम लिया था। वर्कफ्रंट पर जहां सनी हालिया रिलीज तापसी पन्नू स्टारर फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा में अहम रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी की अगली फिल्म 'वेदा' 15 अगस्त को रिलीज होनी है। इसमें उनके अपोजिट जॉन अब्राहम नजर आएंगे।

पिपलानी स्थित गोपाल नगर सी सेक्टर में किराए की झुग्गी में साथ लेकर रह रहे थे आरोपी

16 साल की नाबालिग से गैंगरेप, गर्भवती होने पर खुलासा, दो आरोपियों पर एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित गोपाल नगर में 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने उक्त मामले मे दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता मूलतः मंडला की है और मजदूरी करते समय उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। आरोपी उसे करीब पांच महीने से अपने साथ रखे हुए था और अपने साथी से भी शारीरिक संबंध बनवा रहा था। जब पीड़िता गर्भवती हुई तो मामला थाने तक पहुंचा।

पुलिस ने गैंगरेप, पास्को समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मंडला निवासी 16 साल की नाबालिग काम की तलाश में मंडला से निकली थी। उसकी मुलाकात दौलत से हो गई। दौलत मजदूरी करता है और नाबालिग भी उसके साथ मजदूरी करने लगी। साथ काम करने से दोनों में नजदीकियां बढ़ने से आरोपी दौलत गोपाल नगर स्थित किराए की झुग्गी में उसे साथ रखकर रहने लगा। आरोपी लगातार उसका दैहिक शोषण कर रहा?था। हद तो उस समय हो गई, जब आरोपी दौलत ने अपने साथी से भी पीड़िता के साथ संबंध बनवाए। बताया जाता है कि नाबालिग गर्भवती है और उसे चार महीने का गर्भ है। पेट में दर्द होने के कारण वह अस्पताल पहुंची थी, तभी मामला पुलिस तक पहुंच गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नाबालिग से परिचित ने किया दुष्कर्म

इधर हबीबगंज पुलिस ने 17 साल की किशोरी की शिकायत पर परिचित के खिलाफ बलात्कार और पास्को एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 17 साल की पीड़िता शाहपुरा में रहती हैं और स्कूली छात्रा है। श्याम नगर निवासी नीरज रघुवंशी को वह करीब तीन साल से पहचानती है। नीरज रघुवंशी से पहचान होने के कारण वह उसके साथ बाइक पर घूमती थी। पीड़िता का आरोप है कि नीरज शादी का प्रलोभन देकर 19 जुलाई से लगातार उसका दैहिक शोषण कर रहा है। पुलिस का कहना है?कि दुष्कर्म अलग अलग थाना क्षेत्रों में किया गया है, लेकिन पीड़िता ने हबीबगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। लिहाजा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर बैठी गाय से बाइक सवार टकराया, जांघ में घुंसी सींग, दोनों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित बैरागढ़ चीचली में पुलिया के पास शनिवार देर रात बाइक सवार युवक सड़क पर बैठी गाय से टकरा गया। बाइक से टकराने के कारण गाय की मौत हो गई, जबकि गाय की सींग युवक की जांघ में घुस गई थी और अधिक खून बहने के कारण उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रत्युष 32 साल का तिवारी त्रिपाठी मूलत~चित्रकुठ के रहने वाले थे और बरकत उल्ला यूनिवर्सिटी में नौकरी करते थे। इन दिनों वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में ही रह रहे थे। शनिवार रात वह अपने दोस्त के घर गए थे। वहां से देर रात पौने दो बजे बाइक से यूनिवर्सिटी हॉस्टल लौटते समय बैरागढ़ चीचली पुलिया के पास उनकी बाइक सड़क पर बैठी गाय से टकरा गई।

गाय की भी मौत: गाय और प्रत्युष की लाश करीब बीस मीटर के दायरे में मिली है। गाय की सींग टूटकर अलग हो चुकी थी। अनुमान है कि गाय से टकराने के बाद सींग प्रत्युष के जांघ में घुसी?थी। इससे जांघ में गहरा घांव था। राहगीरों ने देर रात एंबुलेंस प्रत्युष को सड़क पर पड़े देखकर निजी अस्पताल पहुंचाया था, लेकिन खून अधिक बहने के कारण उसकी मौत हो चुकी थी।

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित पंखमुखी हनुमान मंदिर के सामने मुख्य सड़क पर एंबुलेंस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। युवक को गंभीर अवस्था में आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। शुभम कुशवाह पिता भैरोसिंह कुशवाह (27) नलखेड़ा, बैरसिया में रहता था और खेती किसानी करता था। गत 8 अगस्त गुरुवार सुबह बाइक से भोपाल आया था। इस दौरान पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने सुबह करीब 11 बजे के आसपास एंबुलेंस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी। टक्कर मारने वाली एंबुलेंस का चालक ही उसे आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां इलाज के दौरान शनिवार दोपहर करीब 12 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई।

आज सुबह गोविंदपुरा में हुई बारिश का दृश्य।

पिता-पुत्र में हुआ था विवाद, हत्या का मामला दर्ज

बेटे ने पिता को पीटा, चबूतरे पर पटका, हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर में बेटे की मारपीट से घायल पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी बेटे द्वारा पिता को चबूतरे पर पटका गया था, जिससे सिर में गंभीर चोट थी। बुजुर्ग ने शनिवार शाम दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार जगदीश लखेरा (70) द्वारिका नगर, स्टेशन बजरिया में रहते थे और मनीहारी का काम करते थे। उनके साथ बेटा सुभाष लखेरा (27) और बेटी रजनी रहती है। सुभाष का दिमागी संतुलन बिगड़ा हुआ?था। शुक्रवार रात करीब सवा 9 बजे पिता-पुत्र के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पिता उसे घर से बाहर निकालते हुए दरवाजे तक ले आए। इससे नाजार बेटे सुभाष ने बुजुर्ग पिता के साथ पहले हाथ-मुक्कों से मारपीट की और बाद में उन्हें उठाकर घर के बाहर चबूतरे पर पटक दिया। चबूतरे से सिर टकराने के कारण बुजुर्ग को गंभीर चोट आई?थी। आसपास के लोगों ने किसी सुभाष को पिता से अलग किया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। सिर में गंभीर चोट होने के कारण शनिवार शाम जगदीश की मौत हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में सुभाष लखेरा को गिरफ्तार कर लिया है।

मंदिर के सामने खड़ा ई-रिक्शा चोरी, 22 दिन पहले कराया था फाइनेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद स्थित एक मंदिर के सामने खड़ा ई-रिक्शा चोरी चला गया। ड्रायवर रिक्शा खड़ा करके दर्शन करने के लिए मंदिर चला गया था। चोरी गए रिक्शे को 22 दिन पहले ही फायनेंस करवाया गया था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आमिर खान (25) सोनिया गांधी कालोनी, बाम्बे बेकरी के पास ऐशबाग में रहते हैं और इतवारा इलाके में पान की दुकान चलाते हैं. पिछले महीने 18 जुलाई को उन्होंने 50 हजार रुपए जमा करके जिंसी जहांगीराबाद से एक ई-रिक्शा फायनेंस करवाया था. रिक्शा खरीदने के बाद उन्होंने ड्रायवर जगदीश पवार को चलाने के लिए दिया था। 8 अगस्त की सुबह करीब छह बजे जगदीश बोगदा पुल के पास रिक्शा खड़ा करके मंदिर दर्शन करने के लिए चला गया। कुछ देर बाद लौटा तो रिक्शा नहीं था। आस-पास तलाश करने पर भी रिक्शे का कुछ पता नहीं चला तो शुक्रवार को थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांच मोटर सायकिल चोरी

बदमाश इधर, अलग-अलग स्थानों से चोर पांच बाइक भी चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक बाग दिलकुशा ऐशबाग से निजामुद्दीन, जीटीबी काम्पलेक्स टीटी नगर से अमित सैनी, एमपी नगर स्थित शिवाजी नगर से लोकेश राजपूत, घोड़ा नक्कास हनुमानगंज से अब्दुल मन्नान और दवा बाजार हनुमानगंज से उमर मियां की बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर ईंटखेड़ी थानांतर्गत पशु आहार फैक्ट्री बायपास रोड से चोर पानी की मोटर, वेल्डिंग मशीन, स्टार्टर समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए. पुलिस ने गौरव चौकसे की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

ट्रैक पार करते समय चपेट में आया बुजुर्ग, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पारस सिटी के पास रेलवे ट्रैक पर शनिवार शाम ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दशरथ गुप्ता (60) झुग्गी नंबर 52, पीसी नगर में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे के आसपास वह पारस सिटी के पास से रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, तभी ट्रेन की चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने मृतक की पहचान कर ली।

मेट्रो एंकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया

पुरानी रंजिश को लेकर वेंडर पर छुरी से हमला, घर लौट रहे युवक को मारा डंडा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बजरिया इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर एक वेंडर पर छुरी से हमला कर दिया गया। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसी इलाके में एक अन्य युवक के साथ डंडे से मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक गुलशन मेवाड़ा (18) सेमरा सब्जी मंडी बजरिया में रहता है और रेलवे स्टेशन पर वेंडर का काम करता है। बीती 8 अगस्त की रात करीब दस बजे वह अपने दोस्तों के साथ स्टेशन से घर लौट रहा था। सेमरा घाटी स्थित चौकसे हाल के पास आदित्य उर्फ फास्टर अपने दोस्त अरुण के साथ खड़ा था। गुलशन को देखते हुए आदित्य पुरानी रंजिश को लेकर उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। गुलशन ने जब गाली देने से मना किया तो उसने दोनों ने उसके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर दी। इसी बीच फास्टर ने नुकीली चीज से गुलशन के बायीं जांघ, बाएं हाथ और गले पर वार किया, जिससे वह घायल हो गया। गुलशन ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया। उसके बाद दोनों रिपोर्ट नहीं करने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है।

युवक पर डंडे से किया हमला इसी इलाके में एक युवक के साथ डंडे से मारपीट की गई. पुलिस ने बताया कि गोविंद शाक्या (23) बाबू कालोनी बजरिया में रहता है और प्रायवेट काम करता है। बीती 8 अगस्त की रात करीब साढ़े दस बजे वह आटो से उतरकर पैदल घर जा रहा था। सेमरा घाटी के पास रास्ते में सनी नाथ खड़ा था। गोविंद को देखते ही वह उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। गोविंद ने उसे गाली देने से मना किया तो उसने डंडा से मारपीट कर दी। मारपीट में गोविंद के दोनों हाथ और पीठ में चोट आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

नीलम पार्क में मिला युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित नीलम पार्क में शनिवार शाम युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। मृतक के पास मिले दस्तावेज के आधार पर उसके परिजन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 3 बजे नीलम पार्क में सुलभ शौचालय के पास टीन शेड के नीचे से एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक के दस्तावेज के आधार पर पुलिस ने उसकी शिनाख्त विवेक विश्वकर्मा पिता भगवान दास विश्वकर्मा (40) प्रेम नगर छोला के रूप में की गई। मृतक के पास से समग्र आइडी भी मिली थी। समग्र आइडी में परिजन के नाम और पता बीना का मिला है। पुलिस ने छोला मंदिर और बीना पुलिस से संपर्क कर मृतक का हुलिया भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक बीमार लग रहा है और उसके पास से जेके अस्पताल का पर्चा भी मिला है। पर्चा 27 दिसंबर 2023 का है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022